संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 267
पृष्ठ 8
गुरूवार
19 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जमीन नहीं पानी में योग करने के...

विचार- सेवा में कमी पर क्लेम व हर्जाना...

खेल- फ्लेमिंग-लारा जैसे दिग्गजों की...

गोरखपुर जनता दर्शन : सीएम योगी का निर्देश

बेफिक्र कराएं इलाज, सरकार करेगी भरपूर मदद

200 लोगों की सुनीं समस्याएं

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अफसरों को सभी की समस्याओं के त्वरित और संतुष्टिपरक समाधान के लिए निर्देशित किया। इस दौरान गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे से लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया है कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं। इलाज में सरकार भरपूर आर्थिक मदद देगी। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है और उन्हें इलाज में सरकार से आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। बारिश के मौसम को देखते हुए इस बार जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। एक–एक करके उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने लोगों से आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड के बारे में पूछा। साथ ही सभी को भरोसा दिया कि सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से मदद की जाएगी। बात करने के दौरान एक महिला को आत्मीय संबल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, डॉक्टर से इस्टीमेट मंगवा लीजिए, इलाज के लिए सरकारी मदद मिल जाएगी।

बुलंदशहर में कार में लगी आग, पांच जिंदा जले

एक महिला को राहगीरों ने जिंदा बचा लिया जिसकी हालत चिंताजनक

बुलंदशहर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश बुलंदशहर जिले में बुधवार सुबह दिल्ली बदायूं हाईवे पर एक कार में आग लग जाने से एक ही परिवार के पांच सदस्य की जलकर मृत्यु हो गई जबकि एक महिला की हालत चिंताजनक बनी हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक तेजवीर सिंह ने बताया कि बदायूं के सहसवान थाना क्षेत्र स्थित ग्राम चमनपुरा निवासी एक ही परिवार के छह सदस्य स्विफ्ट कार द्वारा दिल्ली के मालवीय नगर के लिए रवाना हुए थे कि करीब साढ़े पांच बजे जिले के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में ग्राम जानीपुर चंदौस तिराहे के पास चालक को संभवतः झपकी आ गई और कार पुलिया से टकराने के बाद पलट गई। पलटने के तुरंत बाद कार में आग लग गई और उसमें सवार पांच लोग की जलकर मृत्यु हो गयी। एक महिला को राहगीरों ने जिंदा बचा लिया जिसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। सूचना पर फायरब्रिग्रेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जिंदा बची महिला गुलनाज (28) पुत्री तनवीर को को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती करा दिया गया है। हादसे में मारे गए व्यक्तियों के परिजनों ने बताया कि हाईवे पर सामने से आ रही मोटरसाइकिल को बचाने के दौरान कार पुलिया से टकराई थी। मृतकों मे एक दिल्ली में एसी इंजीनियर था जबकि अन्य लोग दिल्ली साकेत में जींस की सिलाई के कारीगर थे। मृतकों में जुबैर (30), उनकी पत्नी मोमिना(24),पुत्र जुनैल(02), तनबीज(26) और उनकी पत्नी निदा (21) की मौत हो गयी। परिजनों का कहना है कि सभी लोग ईद उलअधा का त्योहार मनाने के घर आये थे और आज दिल्ली काम करने के लिये लौट रहे थे।

बाढ़ से नुकसान की भरपाई के लिए हिमाचल प्रदेश को दो हजार करोड़ रुपए

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश में बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने की घटनाओं में हुए नुकसान की भरपाई के लिए 2006.40 करोड़ रुपये की सहायता राशि मंजूर की है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति ने बुधवार को यह मंजूरी दी। वित्त मंत्री, कृषि मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष की सदस्यता

वाली समिति ने राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) के तहत रिकवरी और पुनर्निर्माण योजना से राज्य को वित्तीय सहायता के प्रस्ताव पर विचार किया। इससे राज्य को वर्ष 2023 के दौरान बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन के कारण होने वाली क्षति और विनाश के कारण रिकवरी और पुनर्निर्माण गतिविधियों में मदद मिलेगी। इसमें 1504.80 करोड़ रुपये एनडीआरएफ के तहत रिकवरी और पुनर्निर्माण फंडिंग विंडो से केन्द्र का हिस्सा होगा। इससे पूर्व, गृह मंत्रालय ने इस आपदा से प्रभावित हिमाचल प्रदेश को राहत कार्यों के लिय, 12 दिसम्बर 2023 को ही 633.73 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता की मंजूरी दी थी। गृह मंत्रालय ने कहा है कि केंद्र सरकार प्राकृतिक और अन्य आपदाओं के दौरान राज्य सरकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

आंध्र प्रदेश में मुठभेड़ में तीन शीर्ष माओवादी मारे गये

पडेरू, एजेंसी। आन्ध्र प्रदेश में एओबीएसजेडसी (आंध्र प्रदेश ओडिशा सीमा विशेष क्षेत्रीय समिति) की केंद्रीय समिति के सदस्य गजरला रवि उर्फ उदय सहित तीन शीर्ष माओवादी बुधवार सुबह रम्पचोडावरम गांव में ग्रेहाउंड्स कर्मियों के साथ भीषण मुठभेड़ में मारे गये। पुलिस सूत्रों के अनुसार ग्रेहाउंड टीम ने रामपचोदवरम और मारेडुमिली मंडल के बीच कोंडामोडालू, कोय्यलागुडेम और चिंताकुर गांवों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान ग्रेहाउंड टीम ने देवीपटनम वन क्षेत्र के पास माओवादियों की गतिविधियां दिखी। जब ग्रेहाउंड टीम के सदस्य उनके पास पहुंचे, तो माओवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका ग्रेहाउंड टीम ने माकूल जवाब दिया। जवाबी कार्रवाई में एओबीएसजेडसी की केंद्रीय समिति के सदस्य गजरला रवि उर्फ उदय, आंध्र–ओडिशा सीमा एसीएम अंजू और विशेष क्षेत्र समिति की सदस्य अरुणा मारी गयीं। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से तीन एके 47 राइफलें और गोला–बारूद बरामद हुआ। मृतकों में से अरुणा माओवादियों के शीर्ष नेताओं में से एक और एओबीएसजेडसी की केंद्रीय समिति के सदस्य चलपति राव की पत्नी थी। चलपति राव जनवरी, 2025 में आन्ध्र प्रदेश–ओडिशा सीमा पर एक मुठभेड़ में मारा गया था। अरुणा 2018 में विशाखापट्टनम के डुंबीगुड़ा गांव में तत्कालीन विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवेरी सोमू की हत्या की आरोपी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार मारे गये माओवादी गजरला रवि उर्फ उदय पर 25 लाख रुपये और अरुणा पर 20 लाख रुपये का इनाम था। अरुणा विशाखापट्टनम के पेंडुर्थी मंडल के करकवानीपालेम की रहने वाली थी। मुठभेड़ स्थल पर मारेडुमिलियु और देवीपटनम से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

अधिकारियों के निर्णयों और कार्यों में लोगों का जीवन बदलने की शक्ति : मुर्मु

नयी दिल्ली 18 जून (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न सेवाओं के परिवीक्षाधीन अधिकारियों से कहा है कि सार्वजनिक सेवा की चुनौतियों का सामना करते हुए उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि उनके निर्णयों और कार्यों में लोगों का जीवन बदलने की शक्ति है। श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में भारतीय कॉरपोरेट लॉ सर्विस, रक्षा वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन सेवा और केंद्रीय श्रम सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि उनकी उपलब्धि उनके दृढ़ संकल्प और दृढ़ता का प्रतिबिंब है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें सार्वजनिक सेवा की चुनौतियों का सामना करते हुए याद रखना चाहिए कि उनके निर्णयों और कार्यों में लोगों के जीवन को बदलने की शक्ति है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के पथप्रदर्शक होंगे। भारतीय कॉरपोरेट लॉ सर्विस के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कॉरपोरेट क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि और विकास का प्रमुख स्तंभ है। कॉरपोरेट कानूनों के कार्यान्वयन और प्रवर्तन का दायित्व संभालने वाले अधिकारियों के रूप में, कॉरपोरेट लॉ सर्विस के अधिकारियों की भूमिका एक ऐसा कारोबारी माहौल बनाने में महत्वपूर्ण होगी जो पारदर्शी, जवाबदेह और नवाचार तथा उद्यमिता के लिए अनुकूल हो। श्रीमती मुर्मु ने केंद्रीय श्रम सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी भूमिका महत्वपूर्ण और बहुआयामी दोनों हैं। एक ओर वे कानून के संरक्षक हैं जिनका काम श्रमिकों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करने वाले श्रम कानूनों का पालन सुनिश्चित करना है, दूसरी ओर वे सामाजिक न्याय के लिए दयालु मध्यस्थ और अधिवक्ता के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का काम नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच जटिल संबंधों में संतुलन ला सकता है। रक्षा वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य विमानन में गुणवत्ता का मतलब केवल तकनीकी निर्देशों को पूरा करना नहीं है। यह परिचालन सुरक्षा, मिशन की तैयारी, विश्वसनीयता और रणनीतिक श्रेष्ठता सुनिश्चित करने के बारे में भी है।

सेना प्रमुख और पूर्व सेना प्रमुखों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नयी दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर की बारिकीयों पर सैन्य नेतृत्व के साथ गहन विचार विमर्श के एक दिन बाद सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के साथ कई पूर्व सेना प्रमुखों ने बुधवार को तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ मुलाकात की। राष्ट्रपति से मिलने वालों में जनरल वी पी मलिक, जनरल एन सी विज, जनरल जे जे सिंह , जनरल दीपक कपूर, जनरल बिक्रम सिंह और जनरल मनोज पांडे शामिल हैं। पूर्व सेना प्रमुखों ने मंगलवार को सेना द्वारा आयोजित 'चीफ्स चिंतन' सम्मेलन में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भविष्य की चुनौतियों तथा आकस्मिक स्थितियों से और बेहतर ढंग से निपटने की तैयारियों में जुटे सैन्य नेतृत्व के साथ इस ऑपरेशन के बारे में विस्तार से चर्चा की थी। पूर्व सेना प्रमुखों ने अपने अनुभव साझा करते हुए सैन्य नेतृत्व के साथ कुछ सिफारिशें और सलाह भी साझा की थी।

महाराष्ट्र में पहली से पांचवी कक्षा तक हिंदी बनी तीसरी अनिवार्य भाषा, फैसले पर विवाद

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सभी मराठी और अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाया गया है जिसका मराठी भाषा समर्थक जोरदार विरोध कर रहे हैं और इसे "चुपचाप लागू करने "जैसा बताया है। राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार को हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाने का निर्देश जारी किया। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत तैयार किए गये श्राज्य शैक्षणिक पाठ्यक्रम ढांचे 2024श को लागू करने का हिस्सा है। निर्देशों के अनुसार,सभी छात्रों को सामान्य रूप से तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़नी होगी हालांकि हिन्दी के स्थान पर किसी अन्य भारतीय भाषा को चुनने का विकल्प होगा लेकिन उसके लिए यह शर्त रखी गयी है कि संबंधित कक्षा में कम से कम 20 छात्रों

की मांग होने पर ही स्कूल उस भाषा के लिए शिक्षक नियुक्त करेगा या ऑनलाइन शिक्षा की सुविधा प्रदान करेगा। यह निर्णय स्कूली शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर (दादा भुसे) के हालिया बयानों के विपरीत है जिन्होंने अप्रैल में कहा था कि पहली से पांचवी कक्षा तक हिंदी अनिवार्य नहीं होगी। उन्होंने मई में पुणे के एक कार्यक्रम में यह भी कहा था कि तीसरी भाषा की योजना अभी "स्थगित" है और सुझावों पर विचार हो रहा है। मुंबई स्थित श्मराठी भाषा अभ्यास केंद्रश के दीपक पवार ने कहा, "सरकार ने मराठी जनता के साथ धोखा किया है। यह सीधे–सीधे हिंदी थोपने की चाल है। अगर अब चुप रहे तो यह संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन की भावना को कमजोर करेगा।" निर्देश में अन्य माध्यमों के स्कूलों के लिए यह स्पष्ट किया गया है कि उनके लिये तीन भाषाओं में माध्यम भाषा, मराठी और अंग्रेज़ी शामिल होनी चाहिए। शिक्षा विशेषज्ञों ने वैकल्पिक भाषा की व्यवस्था को अव्यावहारिक बताया है। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल के पूर्व अध्यक्ष वसंत कालपांडे ने कहा, "प्रत्येक कक्षा में 20 छात्र किसी गैर–हिंदी भाषा को चुनेंगे, यह मुश्किल है।"

निजी वाहनों के लिए तीन हजार रूपये का वार्षिक फास्टैग पास : गडकरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने टोल प्लाजाओं पर बढते विवादों तथा भीड को कम करने और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निजी वाहनों के लिए तीन हजार रूपये का फास्टैग

आधारित वार्षिक पास शुरू करने का निर्णय लिया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को खुद यह जानकारी दी। यह पास आगामी 15 अगस्त से उपलब्ध रहेगा और सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक जो भी पहले हो वैध रहेगा। श्री गडकरी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा," एक ऐतिहासिक पहल के तहत 15 अगस्त 2025 से 3,000 रूपये की कीमत वाला फास्टैग आधारित वार्षिक पास शुरू किया जा है। यह पास सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक,जो भी पहले हो,वैध रहेगा। यह पास केवल गैर–व्यावसायिक निजी वाहनों (कार, जीप, वैन आदि) के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है और यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा।" उन्होंने कहा कि पास के नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा ऐप और राष्ट्रीय राजमार्ग की वेबसाइट पर इसके लिए एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा। श्री गडकरी ने कहा कि यह नीति 60 किलोमीटर के दायरे में स्थित टोल प्लाज़ाओं को लेकर लंबे समय से चली आ रही चिंताओं का समाधान करेगी।

देश में कोरोना सक्रिय मामले घटकर 6483 रहे, पिछले 24 घंटे में चार और मरीजों की मौत

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटों में 353 कोरोना सक्रिय मामलों में कमी आने के बाद कुल सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 6483 रह गयी। वहीं इस अविध में चार और मरीजों की मौत से मृतकों की संख्या बढ़कर 113 पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान 1173 मरीजों के स्वस्थ होने पर इस वायरस से निजात पाने वालों की कुल संख्या 15945 पहुंच गयी है। गौरतलब है कि गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमित चार और मरीज की मौत हो गयी है। महाराष्ट्र में कोरान संक्रमण से दो और मरीज

की मौत होने से वहां मतृकों की संख्या 31 पहुंच गयी और राष्ट्रीय राजधानी और केरल में एक–एक और मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या क्रमशरू 13 और 36 पहुंच गयी है। इस अवधि में जहां 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेश में कोरोना के मामलों में वृद्धि देखी, वहीं 10 राज्यों में सक्रिय मामलों में कमी आयी है। जबकि अन्य राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों से कोरोना संक्रमण के मामले प्राप्त नहीं हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 32 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में से 22 में कोरोना के सक्रिय मामले घटने और बढ़ने के मामले सामने आये हैं, जबकि तीन राज्यों मिजोरम, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का अभी कोई सक्रिय मामला नहीं है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, हांलाकि आज सुबह तक 275 सक्रिय मामले घटने के साथ इसका आंकड़ा 1384 रह गया। राष्ट्रीय राजधानी में 65 मामले बढ़ने से संक्रमितों की कुल संख्या बढकर 620 हो गयी। महाराष्ट्र में 23 मामले घटने से सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 489 रह गयी और गुजरात में 143 मामले घटने से कुल संख्या घटकर 1105 रह गयी है।

बारिश व तेज हवा से मौसम खुशगवार

प्रयागराज। मानसून से पहले पश्चिमी विक्षोभ के चलते बुधवार सुबह से ही मौसम में खुशगवार बना हुआ है। मंगलवार रात में शहर के कुछ हिस्सों में हुई बारिश व तेज हवाएं चलने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मंगलवार को अधिकतम

तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहा,जो बुधवार को 35 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को गरज–चमक के साथ बिजली गिरने के आसार हैं। शुक्रवार को भारी बारिश होने और 40 से 50 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। न्यूनतम तापमान कम होने से गर्मी और उमस से और राहत मिलेगी।

400 प्रधानाध्यापकों को मिलेगा निपुण चैम्पियन पुरस्कार

प्रयागराज। निपुण भारत मिशन के तहत बालवाटिका से कक्षा दो के लिए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने के लिए राज्य, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर सतत रूप से प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन प्रदान करने से प्रधानाध्यापकों के प्रदर्शन में गुणात्मक सुधार होने की उम्मीद है। इस योजना के तहत नामांकन करने

वाले प्रधानाध्यापकों के प्रदर्शन का स्वतंत्र बाह्य मूल्यांकन करने के बाद विद्यालय को शनिपुण विद्यालयश तथा प्रधानाध्यापक को शनिपुण चौम्पियन हेड मास्टर ऑफ दि डिस्ट्रिक्टश घोषित किया जाएगा। निर्धारित मानकों के क्रम में सर्वश्रेष्ठ 400 चयनित प्रधानाध्यापकों को निपुण चौम्पियन पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। प्रभारी बेसिक शिक्षा अधिकारी शिव औतार ने सभी खंड शिक्षाधिकारियों को निर्देशित किया है कि निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निपुण भारत चौम्पियन पुरस्कार योजना के संबंध में प्रचार–प्रसार कराना सुनिश्चित करें।

सड़वा चौकी पर दरोगा ने सिपाही को रॉड से पीटा, निलंबित

प्रयागराज। औद्योगिक थाने से संबंधित सड़वा पुलिस चौकी में बीते शनिवार की रात एक दरोगा और सिपाही में विवाद हो गया था। आरोप है कि दरोगा ने आपा खो दिया और सिपाही की लोहे की रॉड से पिटाई कर दी। मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचा तो खलबली मच गई। डीसीपी यमुनानगर विवेकचंद्र यादव ने आरोपित दरोगा पारस चौधरी को निलंबित कर एसीपी करछना को जांच का आदेश दिया है। दरोगा पारस चौधरी वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्र थाने से संबंधित ओमेक्स पुलिस चौकी पर तैनात थे। वह शनिवार की रात सड़वा पुलिस चौकी गए थे। चौकी पर किसी बात को लेकर सिपाही जैकम सिंह से विवाद हो गया। दोनों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। जब तक चौकी पर तैनात अन्य पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते। दरोगा पारस चौधरी ने मारपीट करते हुए रॉड से हमला कर सिपाही जैकम सिंह को घायल कर दिया। डीसीपी विवेकचंद्र यादव ने बताया कि दरोगा पारस चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। मामले की विभागीय जांच की जा रही है।

जैविक खेती अंतर्गत खरीफ की फसलों का दिया प्रशिक्षण

मोरना। नमामि गंगे जैविक खेती परियोजना के द्वितीय चरण में बुधवार को गांव दरियाबाद में दूसरे वर्ष के पहले प्रथम खरीफ का प्रशिक्षण आयोजित किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम में जैविक खेती करने वाले किसानों को प्रशिक्षण दिया गया।जिसमें बड़ी संख्या मे किसानो ने भाग लिया। मोरना ब्लॉक् क्षेत्र के गांव दरियाबाद मे आयोजित कार्यक्रम मे वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक डॉ. जे पी शर्मा ने जानकारी देकर बताया की जैविक खेती में धान की बुवाई से पहले किसानों के द्वारा हरी खाद के लिए ढांचा और सुनाई की बुवाई की गई है। जिन किसानो ने सुनाई की बुवाई

की है उस किसान को 500 रूपये प्रति एकड़ की दर से अनुदान धनराशि तथा धन के बीज के लिए 500 रुपये प्रति एकड़ की दर से अनुदान धनराशि जैविक खाद प्रोम के लिए भी 1000 रूपये प्रति एकड़ की दर से अनुदान धनराशि तथा मेढ को ठीक करने के लिए 1000 रूपये प्रति एकड़ की दर से डीबीटी के माध्यम से किसानों के खाते में भेजी जाएगी यह धनराशि सत्यापन के उपरांत ही किसानों को दी जाएगी एडीओ कृषि अकुल शर्मा ने बताया की जैविक विधि से लगाई जाने वाली धान की फसल के लिए फसल की रोपाई से पूर्व प्रोम खाद के प्रयोग की तथा हरी खाद के लिए बोई गई ढ़ेचा या सनई की जब 40 दिन की फसल हो जाए हरी खाद के रूप में खेत में हीरो की सहायता से कटकर प्रयोग करना चाहिए साथ ही फसल की बुवाई से पूर्व 50 किलो प्रोम का प्रयोग प्रति एकड़ से करें और नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए ऊपर से एनपी कंसोर्टियां जैविक का प्रयोग करें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला प्रभारी सहयोगी संस्थान पूनम यादव के द्वारा किया गया कार्यक्रम में समूह प्रभारी अंकित कुमार समूह प्रभारी जितेंद्र कुमार किसान राजपाल सिंह रविंद्र जयपाल सिंह सहेंद्र सिंह श्रीमती सरला देवी, सुशीला देवी, सर्विसता देवी सहित इसके अलावा किसानों ने भाग लिया।

प्लेटफॉर्म पर ठंडा पानी सभी यात्रियों के नसीब में नहीं

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन के पुनर्विकास के तहत कई काम कराए गए। कुछ कार्य जारी भी हैं। महाकुम्भ मेले से पहले कई सुविधाएं भी बढ़ाई गईं, लेकिन इन गर्मियों में भी यात्रियों की परेशानी कम नहीं हुईं। प्लेटफॉर्म नंबर 9 और 10 पर कहने को तो वाटर कूलर और वाटर एटीएम लगे हैं, लेकिन इसका लाभ बहुत कम यात्री उठा पाते हैं। अधिकांश यात्रियों को पानी की बोतलें खरीदनी पड़ती हैं। प्लेटफॉर्म पर लगे नलों से गर्म पानी आता है, लेकिन इस पानी के लिए भी यात्रियों में मारामारी मची रहती है। लंबी दूरी की ट्रेनें जैसे ही रुकती हैं, बोतल लेकर यात्री दौड़ पड़ते हैं।

रेल यात्रियों की परेशानी जानने पर यात्रियों ने भीषण गर्मी में ठंडा पानी प्लेटफॉर्म पर न मिलने पर का दर्द साझा किया। इस प्लेटफॉर्म पर कम से कम आधा दर्जन वाटर कूलर लगाने की सख्त जरूरत बताई। यात्रियों का कहना था कि प्लेटफॉर्म पर वाटर कूलर लगे होने की बात कही जा रही है, लेकिन वह बोगियों से इतनी दूर है कि वहां तक पहुंचकर पानी भरने में ट्रेन छूट जाएगी। दिन सोमवार, समय दोपहर 12रू40 बजे। स्थान प्रयागराज जंक्शन का प्लेटफॉर्म नंबर 9 और 10। प्लेटफॉर्म संख्या नौ पर सिकंदराबाद से आने वाली दानापुर एक्सप्रेस रुकी। ट्रेन के यात्री बोतलें लेकर पानी भरने के लिए प्लेटफॉर्म पर लगे नलों की तरफ बढ़ने लगे। एक मिनट में ही यात्रियों की भीड़ लग गई। हर कोई पहले पानी भरने की जल्दबाजी में दिखा, क्योंकि ट्रेन चलने का डर बना हुआ था। कुछ यात्री नल से आ रहे पानी को छूकर देखा, पानी गर्म होने पर रेलवे की व्यवस्था को कोसते हुए आगे दूसरे नल की तरफ बढ़ गए। वाराणसी के प्रभुनाथ तिवारी भी ठंडे पानी की तलाश कर रहे थे। उनकी बोगी प्लेटफॉर्म के अंत के पास थी। वह ठंडे पानी के लिए प्लेटफॉर्म पर लोगों से जानकारी ले रहे थे। पूछने पर पहले से झल्लाए प्रभुनाथ का गुस्सा फूट पड़ता है, कहते हैं वाटर कूलर प्लेटफॉर्म के आखिरी छोर पर लगा रखा है। अगर वहां पानी लेने चले गए तो ट्रेन छूट

जाएगी। इससे बेहतर है कि एक बोतल पानी खरीद ही लें। अभी का तो काम चल ही जाएगा और आगे स्टेशन पर देखा जाएगा। यह बेबसी अकेले प्रभुनाथ की नहीं थी, बल्कि रोजाना हजारों यात्री ठंडे पानी के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 9 और 10 पर परेशान रहते हैं। ठंडा पानी न मिलने पर बोतल खरीदने के लिए मजबूर होते हैं। वाटर कूलर खराब, वाटर एटीएम पर लगा है ताला प्लेटफॉर्म की बेंच पर आराम फरमा रहे यात्रियों ने बताया कि प्लेटफॉर्म नंबर 9, 10 पर दो वाटर कूलर लगे हैं, लेकिन उनमें से एक ही काम कर रहा है। एक से जुड़े नल को खोलने पर उससे गर्म पानी आ रहा था। वहीं पेयजल के लिए प्लेटफॉर्म पर आधा दर्जन के करीब प्वाइंट हैं, जहां प्रत्येक में आठ से दस नल लगे हुए हैं। सभी से गर्म पानी आ रहा था। प्लेटफॉर्म के आखिरी छोर पर एक वाटर एटीएम पर पानी के लिए मारामारी मची हुई थी। यहां पांच रुपये प्रति लीटर की दर पर आरओ वाटर दिया जा रहा था। एक और वाटर एटीएम है, लेकिन उस पर ताला लटका हुआ था। परेशान यात्रियों का कहना था कि अगर प्लेटफॉर्म पर थोड़ी–थोड़ी दूरी पर वाटर कूलर और वाटर एटीएम की व्यवस्था कर दी जाए तो इस भीषण गर्मी में यात्रियों को ठंडे पानी के लिए परेशान न होना पड़े। जो वाटर कूलर व एटीएम काम कर रहें हैं वहां तक ट्रेन से उतरकर सब यात्री नहीं पहुंच पाते। जिनकी बोगी इनके पास होती है वही लोग इसका लाभ उठा पाते हैं। ट्रेन छूटने के डर से यात्री बोगी के पास जहां पानी नजर आता है वहीं भर लेते हैं। यहां करीब आधा दर्जन वाटर कूलर और एटीएम की जरूरत है। लाखों में बोतलबंद पानी का होता है कारोबार प्लेटफॉर्म पर लाखों रुपये के बोतलबंद पानी का कारोबार हो जाता है। ट्रकों और टैम्पो से पानी भरी बोतलें पहुंचती हैं। यात्री पानी की गुणवत्ता को लेकर काफी सचेत रहते हैं और बोतलबंद पानी को वरीयता देते हैं। सभी प्लेटफार्मों पर इसकी सहज उपलब्धता और वाटर कूलर व एटीएम की कमी के कारण बोतल वाले पानी का कारोबार फल फूल रहा है। लोगों का कहना है कि अगर पर्याप्त संख्या में वाटर कूलर लगे हों और लोगों को निशुल्क ठंडा पानी मिले तो क्यों कोई पानी खरीद कर पीना चाहेगा। हमारी भी सुनें इतने बड़े रेल प्लेटफॉर्म पर मात्र दो जगह ही वाटर कूलर लगे हैं, जिनमें एक ही काम कर रहा है। ट्रेन आने पर पानी लेने वाले यात्रियों की संख्या अधिक हो जाती है, जिससे सभी को शीतल जल नहीं मिल पाता है। वाटर कूलर की संख्या बढ़ानी चाहिए। –किशोर भीषण गर्मी में शीतल जल ही यात्रियों का एक मात्र सहारा है। लेकिन प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 9 और 10 पर केवल दो वाटर कूलर ही लगे हैं। और वह भी शीतल जल नहीं दे रहे हैं। और वाटर कूलर की दरकार है। – आर्यन जो वाटर कूलर काम कर रहा है वह इतनी दूर है कि वहां पानी भरने जाएंगे तो ट्रेन छूट जाएगी। इतने बड़े प्लेटफॉर्म पर कम से कम 4 से 5 जगहों पर वाटर कूलर तो होना ही चाहिए। जिससे यात्रियों को पानी के लिए ज्यादा भाग दौड़ न करनी पड़े। –अंकित शीतल जल ढूंढने के चक्कर में ट्रेन निकल जाने का डर बना रहता है। यात्रियों की सुविधा के लिए कई स्थानों पर वाटर कूलर लगाना चाहिए। जिससे यात्रियों को पानी के लिए ज्यादा भाग दौड़ न करनी पड़े। –दिलीप इस उमस भारी गर्मी में शीतल जल मिलना अमृत के मिलने के बराबर है। लेकिन प्लेटफॉर्म पर वाटर कूलरों की संख्या कम होने की वजह से यात्रियों को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। रेलवे को व्यवस्था बेहतर करनी चाहिए। –सौरभ कुमार हम खरीद कर पानी पीने को मजबूर हैं। अगर हम शीतल जल की तलाश में इधर–उधर भटकेंगें तो ट्रेन छूट जाएगी। प्लेटफॉर्म पर वाटर कूलर बहुत दूर लगा है। सब लोग वहां तक नहीं पहुंच पाते। रेलवे को यात्रियों की सुविधाओं का ख्याल रखना चाहिए। –संदीप शर्मा यात्रियों को अगर इतनी गर्मी में शीतल जल मिल जाए तो मानो सब कुछ मिल गया। लेकिन प्लेटफॉर्म नौ और दस पर शीतल जल की बेहतर व्यवस्था नहीं है। यहां पर कई वाटर कूलर लगाने की दरकार है। वाटर एटीएम की संख्या भी बढ़ानी होगी। –प्रवीण कुमार पिछले एक घंटे से हम ट्रेन का इंतजार कर रहें है और तब से हम दो बोतल पानी खरीद कर पी चुके हैं। प्लेटफॉर्म पर निशुल्क शीतल जल की व्यवस्था नहीं है। रेलवे को यात्री सुविधाओं से मतलब ही नहीं है। – निशांत पिछले स्टेशन से ही आस लगी थी कि प्रयागराज जंक्शन पर शीतल जल मिलेगा, क्योंकि यह बड़ा स्टेशन है। लेकिन यहां आने पर स्थिति कुछ और ही देखने को मिली। टोंटी से तो जैसे उबला हुआ पानी आ रहा था। यहां तो स्थिति बदतर है। – धर्मेंद्र वर्मा प्लेटफॉर्म पर कई घंटे रुकना पड़ा, लेकिन पीने के लिए निशुल्क ठंडा पानी नहीं मिला। ऐसे हालात में बुजुर्ग और बच्चों की तबीयत बिगड़ सकती है। प्लेटफॉर्म पर शीतल जल की व्यवस्था के लिए आधा दर्जन वाटर कूलर लगने चाहिए। –अभिमन्यु इतनी भीषण गर्मी में जब ठंडा पानी न मिले तो सफर सजा जैसी लगने लगता है। प्लेटफॉर्म पर उतरने के बाद भी अगर ठंडा पानी न मिले तो और भी कष्ट होता है। प्लेटफॉर्म पर वाटर कूलरों की संख्या बढ़ा दी जाए तो यात्रियों को काफी राहत मिले। –गुलशन भीषण गर्मी में प्यास से परेशान हैं। वाटर कूलर बंद है और कोई विकल्प भी नहीं है। हमें पानी भी खरीद कर पीना पड़ रहा है। प्लेटफॉर्म पर अधिक संख्या में वाटर कूलर लगना बहुत जरूरी है। तभी यात्रियों को राहत मिल सकेगी। –समीर रेलवे स्टेशनों पर बुनियादी सुविधाएं तो होनी ही चाहिए। ठंडा पानी जैसी ज़रूरी चीज़ भी नहीं मिलती तो यह शर्म की बात है। गर्मी में तो लोग निशुल्क पानी का शिविर लगाते हैं। और यहां इतने बड़े प्लेटफॉर्म पर वाटर कूलर नहीं लगा है। –फरहान बोतलबंद पानी खरीदना मजबूरी है। जो हर कोई वहन नहीं कर सकता। ट्रेन में केवल अमीर व्यक्ति ही यात्रा नहीं करता है। प्लेटफॉर्म पर शीतल जल की उचित व्यवस्था रेलवे को करनी चाहिए। –सूरज

हम लोग सुरक्षित हैं, बस आप लोग दुआ करते रहिए

प्रयागराज। रेलवे में टीटीई रहे रानीमंडी निवासी सैय्यद गजनफर अब्बास 25 मई को अपने बेटे सरवर अब्बास और बेटी तथहीर फातिमा के साथ इराक व ईरान में जियारत के लिए घर से निकले तो परिजन ना केवल खुश थे बल्कि इसके लिए अल्लाह का शुक्रिया अदा किया था।

आज जब ईरान और इजरायल के बीच युद्ध छिड़ा हुआ है तब परिजन बेचौन हैं। दिनरात दुआ कर रहे हैं कि वहां पर हालात ठीक हो जाएं और जियारत को गए परिवार के लोग सही सलामत लौट आएं। सैय्यद गजनफर अब्बास के छोटे भाई सैय्यद जफर

अब्बास इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता हैं। उन्होंने बताया कि युद्ध छिड़ने की वजह से हम सभी परेशान हो गए हैं।

बड़े भाई इराक और ईरान में जियारत के लिए 25 मई को रवाना हुए थे। परिजन 29 मई को इराक से होते हुए जब ईरान के नजफ पहुंचे तब तक वे अपनी खैरियत से जुड़ी हर जानकारी साझा कर रहे थे। नजफ से होकर भाई सात जून को कुम से होकर तेहरान पहुंचे थे। वहां से 13 जून को दिल्ली के लिए उनकी फ्लाइट थी। उसी दिन दोनों देशों के बीच भीषण युद्ध शुरू हो गया। इस वजह से फ्लाइट रद हो गई थी।

युद्ध शुरू होते ही यहां पर परिजनों का हाल बेहाल हो गया। संपर्क करने की कोशिश असफल होती रही। इस बीच 15 जून को भाई से किसी तरह संपर्क हो पाया, उन्होंने कहा कि हम लोग सुरक्षित हैं, बस आप लोग दुआ करते रहिए। उन्होंने बताया कि अल्लाह पर हमें भरोसा है, अब उनके सुरक्षित आने के लिए दुआ कर रहे हैं।

पीडब्ल्यूडी के दो निर्माण खंड के अस्तित्व पर संकट

प्रयागराज। पीडब्ल्यूडी प्रयागराज के दो निर्माण खंड के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। महाकुम्भ समाप्त होने के बाद से निर्माण खंड पांच व छह के अधिकारी व कर्मचारी पूरी तरह खाली बैठे हैं। इसे लेकर कई बार मुख्य अभियंता डीके अहिरवार से कार्यों का बंटवारा किए जाने की मांग भी हुई। कार्यों का बंटवारा तो नहीं हुआ लेकिन मुख्य अभियंता ने दोनों खंडों को या तो विस्थापित करते हुए स्थानांतरित करने या समाप्त किए जाने की संस्तुति के लिए विभागाध्यक्ष को पत्र भेजा है। महाकुम्भ के दौरान शासन के निर्देश पर खंड पांच व छह का सृजन किया गया था। दोनों खंडों को क्रमश रू तीन–तीन पांटून पुलों के निर्माण व उसके रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पिछले ढाई माह से खाली होने पर निर्माण खंड पांच के अधिशासी अभियंता विवेक सौरभ व छह के अधिशासी अभियंता चंद्र प्रताप सिंह मुख्य अभियंता से कई बार मिले। इस बीच मई के अंतिम सप्ताह में मुख्य अभियंता ने पीडब्ल्यूडी लखनऊ मुख्यालय में विभागाध्यक्ष को पत्र लिखा। जो अधीक्षण अभियंता नरेश कुमार की रिपोर्ट पर केंद्रित था, जिसमें कहा गया था कि महाकुम्भ के कार्यों के बाद दोनों खंडों में अति सूक्ष्म कार्य हैं और जो अधिकारी व कर्मचारी कार्यरत हैं, उससे व्यवस्थापन पर वित्तीय भार पड़ रहा है। विभागीय अधिकारियों की मानें तो दोनों खंडों में कुल मिलाकर पचास अधिकारी व कर्मचारी हैं। पत्र भेजे जाने के बाद अब यह देखना होगा कि मुख्यालय से क्या निर्णय लिया जाएगा। हमें इसकी जानकारी मिली है मुख्य अभियंता ने विभागाध्यक्ष को पत्र लिखा है। हम लोग यहां पर खाली बैठे हुए है।

अनियमितता पर परानीपुर के प्रधान का खाता फ्रीज

प्रयागराज। विकास कार्यों में अनियमितता पाए जाने पर डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ उरूवा के परानीपुर ग्राम पंचायत के प्रधान का खाता सीज कर दिया है। यह कार्रवाई गांव के राजू पासी की शिकायत पर की गई। राजू की शिकायत पर डीएम ने डीएसटीओ संतोष कुमार को जांच अधिकारी नामित किया था। जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की गई। राजू पासी ने डीएम से शिकायत की थी कि परानीपुर गांव के विभिन्न बस्तिओं में जो भी विकास कार्य करवाए गए हैं उनमें गुणवत्ता का अभाव है। धंनजय तिवारी के घर से आशीष मिश्र के घर तक खंड़जा मार्ग के लिए दो लाख 32 हजार रुपये की राशि निकाली गई, लेकिन काम नहीं हुआ। वित्तीय अनियमितता पाई गई। पीडब्ल्यूडी मार्ग से बैद्यनाथ गुप्ता के घर तक खंड़जा मार्ग के लिए दो लाख 24 हजार रुपये की राशि 30 मार्च को 2019 को निकाली गई। निर्माण अधूरा ही हुआ। वहीं दो अन्य कार्यों मे कुल तीन लाख 31 हजार रुपये की राशि का दुरुपयोग पाया गया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने जांच जिला अर्थ व संख्याधिकारी से कराई गई तो कई कार्यो में अनियमितता मिली, नोडल अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट डीएम को सौंपी गई तो उन्होंने ग्राम प्रधान परानीपुर व तत्कालिन सचिव अजय कुमार श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस भेज जबाब मांग लिया।

मिर्जापुर के पट्टे बंद, प्रयागराज के पत्थरों और बालू की बढ़ी मांग

प्रयागराज। पूर्वांचल की बड़ी निर्माण परियोजनाओं के लिए अब प्रयागराज की रेत और सिलिका सैंड की मांग तेजी से बढ़ रही है। मिर्जापुर जिले में खनन पट्टों के अस्थायी रूप से बंद होने के कारण वहां से होने वाली आपूर्ति रुक गई है, जिससे प्रयागराज की खदानों पर दबाव बढ़ गया है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, राम वन गमन पथ, प्रयागराज में सिक्स लेन पुल, श्रीराम सर्किट निर्माण रूट पर कई निर्माण प्रोजेक्ट और उत्तर प्रदेश की अन्य आधारभूत संरचना योजनाओं के लिए पत्थर, सिलिका सैंड और साफ बालू की आवश्यकता प्रतिदिन बनी हुई है। अब तक इन जरूरतों को मिर्जापुर की खदानों से पूरा किया जाता था, लेकिन वहां खनन पट्टे नवीनीकरण की प्रक्रिया के कारण फिलहाल खनन कार्य ठप पड़ा है।

प्रयागराज मंडल ने 42.19 लाख यूनिट बिजली उत्पन्न की और इससे 1.6 करोड़ बचाए

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे का प्रयागराज मंडल सौर ऊर्जा के उपयोग में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया है बल्कि रेल राजस्व में भी बड़ी बचत सुनिश्चित की है। वर्ष 2024–25 में सिर्फ प्रयागराज परिक्षेत्र से 20.98 लाख यूनिट विद्युत उत्पादन हुआ जिससे 65.55 लाख रुपये से अधिक की बचत हुई। वहीं मंडल में 42.19 लाख यूनिट बिजली उत्पन्न की और इससे 1.6 करोड़ रुपये बचाए हैं। मंडल पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि प्रयागराज जंक्शन, मंडल कार्यालय, केंद्रीय चिकित्सालय, सूबेदारगंज स्टेशन, रेलवे सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र और उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय जैसे प्रमुख स्थलों पर कुल 1906 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। इन सभी स्थानों पर बीते वित्तीय वर्ष में 20.98 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जो न केवल बिजली की जरूरतों को पूरा कर रहा है बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कम कर रहा है। इसके साथ ही प्रयागराज मंडल की ओर से फरवरी 2025 में इलेक्ट्रिक लोको शेड कानपुर सहित पांच भवनों को शून्य प्लस प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया, जिसमें प्रयागराज मंडल की भूमिका प्रमुख रही। –कानपुर क्षेत्र में 1200 किलोवाट सौर क्षमता से 10.80 लाख यूनिट उत्पादन, 48.28 लाख रुपये की बचत। –टूंडला क्षेत्र में 614 किलोवाट क्षमता से 4.79 लाख यूनिट बिजली और 23.46 लाख की बचत। –अलीगढ़ क्षेत्र में 236 किलोवाट क्षमता से 2.39 लाख यूनिट और 8.01 लाख की बचत। – मानिकपुर, नैनी, मिर्जापुर, इटावा, छिवकी आदि में 742 किलोवाट से 3.23 लाख यूनिट बिजली और 14.77 लाख की बचत।

बाइकों की टक्कर में बैंककर्मी की मौत, दो घायल

प्रयागराज। अल्लापुर में दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर में एक बैंककर्मी की मौत हो गई। वहीं हादसे में दो अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बीते सोमवार की देर रात घटित हुई। पुलिस ने शव का मंगलवार को पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। कुशीनगर जिले के खड्डा निवासी शिक्षक सुमंत पांडेय का बड़ा बेटा 24 वर्षीय शिवम पांडेय प्रयागराज में एक निजी बैंक में काम करता था। वह अपने छोटे भाई एलएलबी के छात्र 22 वर्षीय शुभम पांडेय के साथ अल्लापुर में किराए पर रहता था। शिवम सोमवार रात लगभग 12 बजे अपने गांव के ही 22 वर्षीय अनीस दुबे के साथ भोजन कर बाइक से अल्लापुर लौट रहा था। बाघम्बरी गद्दी के समीप सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी छिंटककर सड़क पर गिर गए। पुलिस ने घायल शिवम, अनीस और दूसरी बाइक पर सवार युवक को एसआरएन अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। उसके सिर पर गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना की जानकारी होते ही गांव गए छोटे भाई शुभम के साथ परिवार के अन्य सदस्य मंगलवार को रोते–बिलखते पहुंच गए। जार्जटाउन थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि दो बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई है।

लिफ्ट खराब होने से मरीजों को परेशानी

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल की नई बिल्डिंग में लिफ्ट खराब होने से मरीजों को कई विभागों तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है। लिफ्ट खराब होने से स्ट्रेचर व व्हीलचेयर पर गंभीर मरीज इंतजार करते रहते हैं। वहीं कई मरीज किसी तरह सीढ़ी के सहारे डॉक्टर तक पहुंचते हैं।

कोर में योग शिविर का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज, में चल रहे 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 18.06.2025 को योगी श्री संजय पाण्डे, श्रीमती सरोज मौर्या/वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी/लेखा/कोर व श्रीमती जया प्रियदर्शी/एसएसई/विद्युत/कोर के मार्गदर्शन में त्रिवेणी विहार, रेलवे कालोनी, प्रयागराज में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों व

उनके परिवार के लिए योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर में योगी जी ने योग की विभिन्न मुद्राओं को कर के दिखाया तथा उपस्थित लोगों से भी करवाया। उनके द्वारा योग की विभिन्न मुद्राओं के करने से होने वाले लाभ को विज्ञान से सम्बद्ध करते हुये अवगत कराया गया और कहा की योग सजा नहीं मजा है। उक्त कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक/मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी–श्री कल्याण सिंह, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी–श्री सौरभ मिश्रा, उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर–श्री प्रदीप तिवारी, उप महाप्रबंधक (विधि)–श्री पी. के. सिंह, वरिष्ठ विधि अधिकारी/वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी–श्री एस.एन. श्रीवास्तव, जनसम्पर्क अधिकारी/सहायक सचिव (म.प्र.)–श्री विमल कुमार तथा केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज के समस्त कर्मचारी सपरिवार उपस्थित होकर योगाभ्यास कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

उत्कृष्टता पुरस्कार से रोटरी क्लब द्वारा रुड़की में सम्मानित, क्रांतिकारी शालू सैनी

मुजफ्फरनगर। लावारिस शवों के अंतिम संस्कार की सेवा के लिए क्रांतिकारी शालू सैनी को रुड़की में रोटरी क्लब द्वारा किया गया सम्मानित कार्यक्रम में पहुंचे रोटी क्लब रुड़की के गवर्नर श्री राजपाल सिंह जी व एस पी देहात के साथ साथ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा क्रांतिकारी शालू सैनी की सेवाओं को नमन किया साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष क्रांतिकारी शालू सैनी के निस्वार्थ सेवाओं के लिए सभी ने जमकर तारीफ की व होंसला बढ़ाया

क्रांतिकारी शालू सैनी ने बताया कि वो लावारिस शवों के साथ साथ उन परिवारों के मृतकों के भी अंतिम संस्कार करती है जो पेसो के कारण कर नहीं पाते उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,हरियाणा इन सभी जगह वो अपनी सेवाएं पहुंचा रही है सैनी समाज के द्वारा दिए गए सम्मान से भावुक हो बोली में तो एक ठेला लगाने वाली सिंगर मदर हु लेकिन बाबा महाकाल की कृपा से उत्तर प्रदेश के साथ साथ सभी राज्यों में उन्हें सम्मान मिल रहा है ये बहुत बड़ी बात है क्रांतिकारी शालू सैनी ने सभी सहयोगियों का धन्यवाद किया क्योंकि बाबा की कृपा व सभी सहयोगियों के सहयोग से अंतिम संस्कार की सेवा के लिए इतनी हिम्मत जुटा पा रही है ये सम्मान बाबा महाकाल व सभी सहयोगियों को समर्पित महाकाल की बेटी क्रांतिकारी शालू सैनी लावारिसो की वारिस वर्ल्ड गिनीज रिकॉड होल्डर अध्यक्ष साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा दिया गया।

शाइनप्रो ग्रुप ने शुरू की हनुमान जी को जलेबी का प्रसाद अर्पण करने की परंपरा

मुजफ्फरनगर। शाइनप्रो ग्रुप ने आज से हर मंगलवार हनुमान जी को जलेबी का प्रसाद अर्पित करने की पवित्र परंपरा की शुरुआत की। मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एम.के. भाटिया ने बताया कि इस पहल की प्रेरणा उनकी बहन श्रीमती मणि पटपाटिया से मिली। पिछले सप्ताह जब वह पंचकूला आईं और शाइनप्रो ऑफिस आईं, तो संयोग से जलेबी मंगवाई गई। उन्होंने बताया कि जलेबी हनुमान जी की प्रिय मिठाई मानी जाती है। भाटिया जी ने यह भी साझा किया कि बचपन

से ही वे गुलदाना, जो जलेबी के ही समान सामग्री से बनता है, हनुमान जी को अर्पित करते आ रहे हैं। आज से शुरू हुई इस नई परंपरा में सभी टीम मेंबर्स ने प्रसाद ग्रहण कर हनुमान जी से आशीर्वाद प्राप्त किया और इस भावपूर्ण पहल का आनंद लिया।

जंगली चोरों का आतंक जारी, आधा दर्जन ट्यूबवेल में चोरी

मोरना। क्षेत्र मे जंगली चोरो का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गांव छछरौली के जंगल मे चोरो ने आधा दर्जन ट्यूबवैल को अपना निशाना बनाया है। मौके पर जाकर पुलिस ने घटना की जांच की है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव छछरौली के बहुपुरा मार्ग स्थित जंगल मे गांव निवासी किसान कुलदीप व बिट्टू मंगलवार की सुबह अपनी ट्यूबवैल पर पहुंचे तो ट्यूबवैल की दीवार को टूटा हुआ देख सन्न रह गये। चोरो ने दीवार तोड़कर ट्यूबवैल का कीमती सामान चुरा लिया।

इसके अलावा चोरो ने टिल्लू, किरण सिंह, विनीत आदि की ट्यूबवैल मे भी चोरी का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी की वहीं पीड़ित किसानो ने शीघ्र घटना के खुलासे की मांग की है।

योग पर व्याख्यान का आयोजन

मुजफ्फरनगर। माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर के तत्वाधान में योग महोत्सव–2025 कार्यक्रम के अंतर्गत ल्वहं दलवह दृ च्तंसससमस डमकपबंस ले. जमउ, ।लनतअमकं म्जब. पर व्याख्यान का आयोजन एस0वी0एम0 योगा एण्ड हैल्थ साईसेंज कॉलेज, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर में किया गया, जिसमें कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0. संदीप गुप्ता, नोडल अधिकारी, योग महोत्सव–2025, मुख्य वक्ताओं के रूप में डा0. सुभाष चन्द्र शर्मा, डा0. सहदेव सिंह आर्य, महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव श्री अरूण खण्डेलवाल व प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति के सदस्य श्री प्रमोद तिवारी, भागवन्ती सरस्वती विद्या मंदिर की प्रधानाचार्या श्रीमती वंदना शर्मा व महाविद्यालय प्राचार्य डा0. अरविन्द कुमार सिंह ने किया। मुख्य वक्ताओं में डा0. सुभाष चन्द्र शर्मा ने व्याख्यान के विषय पर बोलते हुए बताया कि दिल्ली एम्स में भी अब आर्युवेद को स्थान मिल गया है साथ ही सभी से यह अपील भी की गई कि एलोपैथी के बजाय आर्युवेद को अपनाया जाये।

तत्पश्चात् दूसरे मुख्य वक्ता डा0. सहदेव सिंह आर्य द्वारा इसी विषय को बढ़ाते हुए बताया गया कि यदि व्यक्ति सिर्फ यम और नियम यही दो योग अपना ले तो विश्वभर में स्वयं शांति और सद्भाव स्थापित हो जायेगा। विश्वविद्यालय की ओर से कार्यक्रम में सम्मिलित प्रो0. संदीप गुप्ता द्वारा कहा गया कि मानव शरीर पंच तत्वों से मिलकर बना है और यही तत्व इस पृथ्वी का भी निर्माण करते है, यदि हम पर्यावरण को संरक्षित रखेंगे तभी हम सब शारीरिक व मानसिक रूप से भी स्वस्थ रह सकेंगे। महाविद्यालय समिति के सचिव श्री अरूण कुमार खण्ड़ेलवाल द्वारा अपना अनुभव सबके साथ साझा किया गया तथा इस बात पर भी प्रकाश डाला कि मनुष्य द्वारा नहीं बल्कि ईश्वर द्वारा योग की स्थापना की गई है स्वंय भगवान शिव द्वारा ध्यान योग हम सबके सामने एक प्रमाण है। उन्होंने बताया कि श्री विष्णु के सभी अवतारों का क्रम भी मनुष्य के जीवन निर्माण के क्रम से मेल खाता है।

अंत में महाविद्यालय प्राचार्य डा0. अरविन्द कुमार सिंह द्वारा भी योग व आर्युवेद के महत्त्व के बारे में कार्यक्रम में सम्मिलित श्रोताओं को काफी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई साथ ही धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में आयोजन में महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ का योगदान रहा।

गांव गोयला के प्रधान के आगे नतमस्तक है शाहपुर पुलिस

दम्पत्ति को हत्या की धमकी देने वाला दबंग प्रधान खुला घूम रहा

पीड़ित अपने ही घर में कैद में रहने को हुआ मजबूर

मुजफ्फरनगर। दरअसल मामला जनपद मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना सर्किल के गांव गोयला का है जिसमें गांव गोयला का मौजूदा प्रधान धर्मपाल सिंह फोन पर एक ग्रामीण और उसकी पत्नि को खुली हत्या की धमकी दे रहा है क्या मजाल कि शिकायत हो जाने के बाद भी शाहपुर पुलिस प्रधान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की तो दूर की बात जो थाने में बुलाकर पूछताछ भी कर ले। जिसको लेकर पूरा परिवार डरा सहमा हुआ है और अपने घर में खुद ही कैद हैकर रह गये हैं।

पीड़ित ने बुढ़ाना सीओ को भी शिकायती पत्र देते हुए आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की लेकिन नतीजा शून्य है। अगर पीडित प्रमेन्द्र पुत्र हरपाल सिंह निवासी गांव गोयला की बात की जाए तो उन्होने मीडिया को बताते हुए कहा कि गांव के मौजूदा प्रधान धर्मपाल सिंह पुत्र दीपचंद उससे जाति रंजिश रखता है।

बीती 14 जून की सुबह वह ग्राम डबल से अपने घर आ रहा था। तब उसके मोबाइल फोन पर प्रधान धर्मपाल सिंह के फोन से काल आई। जिसमें उसको बिना बात ही गंदी गालियां और हत्या की धमकी दी गयी। उसने धर्मपाल की बातों का विरोध किया तो फिर उसने अपना फोन बंद कर लिया।

कुछ देर बाद धर्मपाल ने उसे दोबारा से धमकी दी। उसका फोन उसकी पत्नि रेखा ने रिसीव किया तो धर्मपाल ने कहा कि जहां तक भागना है भाग लो तुम्हारी कोई सुनवाई नही होगी और चैलेन्ज किया कि थाने में भी मेरे खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होगी। तुम मुझे नहीं जानते। तुम्हारे पूरे खानदान को तबाह कर दूंगा। आरोपी ने फिर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। उसने इसकी शिकायत शाहपुर थाने में भी की लेकिन आरोपी के खिलाफ कोई भी कार्यवाही शाहपुर पुलिस ने नहीं की। पीडित सीओ बुढ़ाना की शरण में भी पहुंचा लेकिन नतीजा वही शून्य निकला। अब पीडित डर के मारे अपने परिवार के साथ अपने ही घर में कैद सा होकर रह गया है और आशंका जता रहा है कि उसकी कभी भी हत्या हो सकती है। पीड़ित अब इस मामले में एसएसपी से मिलेगा और अपनी व्यथा सुनाएगा। वेस्टर्न यूपी के जिला मुजफ्फरनगर से नसीम कुरेशी की एक रिपोर्ट।

हरिद्वार में आयोजित किसान चिंतन शिविर में भाकियू टिकैत के पदाधिकारियों ने की भागीदारी

किसानों की समस्याओं और समाधान पर हुआ विचार–विमर्श

हरिद्वार। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का तीन दिवसीय वार्षिक राष्ट्रीय किसान चिंतन शिविर 16 से 18 जून तक हरिद्वार में आयोजित किया गया है। शिविर में किसानों की ज्वलंत समस्याओं और संगठन की आगामी रणनीतियों पर गहन चिंतन और चर्चा की जा रही है। 17 जून को शिविर में भाग लेने के लिए भाकियू टिकैत के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता हरिद्वार पहुंचे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता व मध्य प्रदेश प्रभारी गजेंद्र परिहार, आगरा मंडल अध्यक्ष रणवीर सिंह चाहर, मथुरा जिलाध्यक्ष चौ. धर्मवीर सिंह, आगरा जिलाध्यक्ष राजवीर लवानियां, फिरोजाबाद जिलाध्यक्ष प्रेम अतुल यादव, मैनपुरी जिलाध्यक्ष राकेश यादव, युवा मंडल अध्यक्ष विपिन यादव, महानगर अध्यक्ष मनीष वर्मा, जिला महासचिव धीरी सिंह, जिला उपाध्यक्ष योगेश अस्थाना, तथा वरिष्ठ कार्यकर्ता जगदीश परिहार, ओमप्रकाश, राकेश चौधरी, रणवीर प्रधान, शहजपाल, राजवीर हबलदार, संजय, कृष्णकांत शर्मा व रणजीत सिंह यादव सहित अनेक किसान नेता उपस्थित रहे। चिंतन शिविर का उद्देश्य किसानों की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों पर विचार करना और उनके समाधान हेतु एकजुट रणनीति बनाना है। शिविर में संगठन की नीतियों को मजबूत करने, आगामी आंदोलनों की रूपरेखा तय करने और किसानों के अधिकारों के संरक्षण पर भी विशेष फोकस किया जा रहा है। भाकियू टिकैत का यह शिविर हर वर्ष की भांति इस बार भी किसानों की आवाज बुलंद करने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

बाबागंज के डीहबलाई ग्राम पंचायत से आई गंभीर शिकायतें

लोकपाल ने शिकायतकर्ता व प्रधान की प्रारंभिक सुनवाई की

20 जून तक प्रधान, सचिव व तकनीकी सहायक को लिखित बयान दर्ज कराने का दिया निर्देश

प्रतापगढ़। विकास खंड बाबागंज के डीहबलाई ग्राम पंचायत से मनरेगा कार्य के संबंध में गंभीर शिकायत प्राप्त होने पर लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने शिकायतकर्ता व ग्राम प्रधान से उनका पक्ष सुना। लोकपाल ने ग्राम प्रधान को सचिव व तकनीकी सहायक के साथ 20 जून तक उपस्थिति होकर निर्धारित प्रारूप पर अपना लिखित बयान व अपना पक्ष दस्तावेजो की प्रति के साथ जमा करने का निर्देश दिया। वहीं कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा एवं खंड विकास अधिकारी बाबागंज को भी अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी के साथ 20 जून को लोकपाल कार्यालय में उपस्थिति होकर संबंधित मामले में खंड विकास कार्यालय अथवा अन्य उच्चाधिकारियों द्वारा की गई अभी तक की समस्त कार्यवाहियो व आख्या से अवगत कराने का निर्देश पत्रांक संख्या 38 द्वारा दिया गया है।

बाबागंज ब्लाक के डीह बलाई ग्राम पंचायत के निवासी कोमल मिश्र ने 13 जून को लोकपाल समाज शेखर के समक्ष जरूरी दस्तावेजो के साथ ग्राम पंचायत के प्रधान व सचिव के विरुद्ध गंभीर शिकायत दर्ज कराई। लोकपाल ने नोटिस जारी कर ग्राम पंचायत के जिम्मेदार कर्मियों को 17 जून को तलब किया था। अकेले प्रधान मुकुंद यादव ने उपस्थिति होकर अपना प्रारंभिक पक्ष रखा। लोकपाल ने निर्देश दिया की 20 जून को उपस्थिति होकर सभी शिकायती बिंदुओं पर अपना पक्ष लिखित रूप से प्रस्तुत करें।

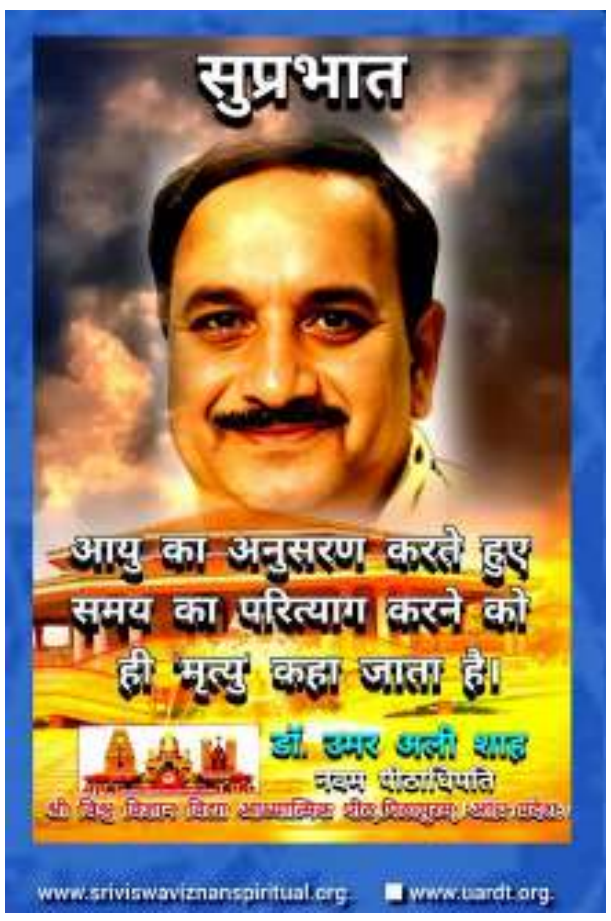

लक्ष्मण भोग आम

(कुण्डलिया)

कर छूकर प्रभु राम का, उपजा 'लक्ष्मण भोग'।
शुगर बढ़ाता है नहीं,काया रखे निरोग।
काया रखे निरोग, आम यह प्यारा– प्यारा।
मीठा जिसका स्वाद, सभी का बने सहारा।
सुन लो कहें प्रदीप,सुनहरी पीली चूनर।
सुन्दरता की मूर्ति, कह रहे हैं सब आकर।।

है पश्चिम बंगाल का, बहुत सुगंधित आम।
जिसको 'लक्ष्मण भोग 'का, मिला अनोखा नाम।
मिला अनोखा नाम, राम की महिमा भारी।
कालिंदी के तीर, बनी है जिसकी क्यारी।
सुन लो कहें प्रदीप, रहा यह हरदम अग्रिम।
है पूरब–पहचान, मगर सब कहते पश्चिम।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

विश्वबंधुत्व का संदेश देने निकलेंगे मेसोनिक सदस्य

प्रयागराज। मेसोनिक लॉज से जुड़े प्रतिनिधियों की बैठक मंगलवार को सिविल लाइंस में आयोजित की गयी है। इस अवसर पर यूनिवर्सल ब्रदर हुड–डे की ओर से रविवार को आयोजित होने वाले वॉकोथन पर चर्चा की गयी।कार्यक्रम के संयोजक व मेसोनिक लॉज के सदस्य अधिवक्ता विपिन कुमार त्रिपाठी ने बताया कि वॉकोथन सुबह 6.30 बजे हाथी पार्क से शुरू होगा जो आजाद पार्क तक जाएगा। वॉकोथन में शामिल सदस्य मेसोनिक के नैतिक, आध्यात्मिक विचारों से लोगों को अवगत कराएंगे। वॉकोथन का विषय वॉकिंग टुडे फॉर बैटर टुमारो है। त्रिपाठी ने बताया कि मेसोनिक लॉज फ्री मेसनरी के तहत संचालित किया जाता है, जो दुनिया की सबसे पुरानी धर्म निरपेक्ष संस्था है।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र संख्या: E/CS/D&AR/Chhote Lal/2024/15 दिनांक: 13.06.2025

गैर हाजिरी सूचना

श्री छोटे लाल पुत्र श्री बनवारी लाल, पदनाम- ट्रैकमेन्टेनर-I, अधीनस्थ- वरि0 खण्ड अभियंता/पी0वे0/उ0म0रे0/प्रयागराज, स्थाई पता: ग्राम- बस्तर हौजकटोरवा, पोस्ट- खाई करछना, जिला- प्रयागराज, उ0प्र0, पिन कोड- 212307 कि आप दिनांक- 06.10.2024 से अपनी ड्यूटी में बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित चल रहे हैं, जिसके सापेक्ष में रेल नियम के अन्तर्गत मानक फॉर्म-5 (मेजर पेनाल्टी चार्जशीट) आरोप सं0 E/CS/D&AR/Chhote/2024/15 dated 15.11.2024 जारी किया गया तदुपरांत श्री अखिलेश कुमार, वरि0 खण्ड अभि0/रे0प0/सैयद-सरावां को दिनांक 15.01.2025 को जाँच अधिकारी नियुक्त किया गया। उक्त मामले की जाँच करके जाँच अधिकारी ने जाँच कार्यवाही की सम्पूर्ण पत्रावलियाँ सहित अपनी निष्कर्ष रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक 08.03.2025 को प्रस्तुत किया। प्रस्तुत जाँच पत्रावलियों का अधोहस्ताक्षरी द्वारा अवलोकन किया गया तथा आरोपी कर्मचारी के बयान एवं सर्विस रिकॉर्ड को देखने से यह प्रतीत हुआ कि आरोपी रेल सेवा में ड्यूटी के प्रति अत्यन्त लापरवाह है।

उपरोक्त के सम्बन्ध में कर्मचारी को दिनांक 11.03.2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया कि अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् अग्रिम कार्यवाही करते हुए केस का निस्तारण कर दिया जायेगा। निर्धारित समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् आरोपी कर्मचारी को रेल सेवा में ड्यूटी हेतु रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से दिनांक 28.03.2025 को पुनः सूचित किया गया था कि पत्र प्राप्ति के 03 दिनो के भीतर वरि0 खण्ड अभियंता/रे0प0/प्रयागराज कार्यालय में उपस्थित होकर ड्यूटी लेने हेतु आवेदन प्रस्तुत करें, जिससे ड्यूटी प्रदान करने हेतु अग्रिम कार्यवाही किया जा सके, परन्तु कर्मचारी ने अभी तक ड्यूटी लेने हेतु न ही आवेदन प्रस्तुत किया और न ही फाइडिंग रिपोर्ट के सम्बन्ध में कारण बताओ नोटिस का जवाब प्रस्तुत किया है।

अतः आपको अन्तिम अवसर देते हुए पुनः सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण स्पष्टीकरण सहित सहायक मण्डल अभियंता/लाइन/उ0म0रे0/प्रयागराज (अनुशासनात्मक अधिकारी) के समक्ष उपस्थित होकर पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् अग्रिम कार्यवाही करते हुए आपके विरुद्ध रेल सेवा से निष्कासन की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा सकती है।

(अनुशासनात्मक अधिकारी)
सहा0 मण्डल अभि0/लाइन/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1045/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

मोरल पुलिसिंग का निर्मम चेहरा

सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों को ट्रोल करने और ध मकी देने की घटनाओं में हाल के दिनों में चिंताजनक स्तर तक तेजी आई है। लेकिन असहमति और विरोध की सीमा यदि जान लेने की हद तक जा पहुंचती है तो किसी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिये यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं देश में कठोर नियामक व्यवस्था का न होना भी ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है। हालिया घटनाक्रम में बंठिडा की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी, जिन्हें कमल कौर भाभी के नाम से भी जाना जाता है, की निर्मम हत्या कर दी गई। यह हत्या हमें इस बात की याद दिलाती है कि कथित नैतिकता के नाम पर मोरल पुलिसिंग, जो कभी ऑनलाइन ट्रोलिंग तक सीमित थी, अब हिंसक आपराधिकता में बदल गई है। इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या को अंजाम देने वाला कथित मास्टरमाइंड अमृतपाल सिंह मेहरोन, कथित तौर पर कौम दे राखे नामक एक कट्टरपंथी समूह का प्रमुख बताया जाता है। जिसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा प्रसारित की गई सामग्री को कथित तौर पर अनैतिक कृत्य के रूप में दर्शाते हुए हत्या को सही ठहराने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं, हत्याकांड के बाद संयुक्त अरब अमीरात भागने के बाद हत्या को सही ठहराते हुए, एक वीडियो को जारी करना, संकीर्ण मानसिकता का दुस्साहस ही दर्शाता है। निस्संदेह, यह मामला संकीर्णता के पोषक और कट्टरपंथी तत्वों की सोच से अलग नहीं है। यह उस दुराग्रही सोच की कड़ी का ही हिस्सा है, जो हिंसा और धमकियों के माध्यम से महिलाओं की अभिव्यक्ति पर सोशल पुलिसिंग के जरिये शिकंजा कसने की कोशिश में रहती है। गाहे–बगाहे देश के विभिन्न हिस्सों में अलग–अलग समूहों द्वारा ऐसे कृत्यों को अंजाम दिया जाता रहा है। पिछले दिनों बेंगलुरू में भी एक महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को केवल उसके पहनावे को अभद्र बताते हुए एसिड हमले की ध मकी दी गई। इस धमकी भरे वीडियो के वायरल होने के बाद उस व्यक्ति को उसके नियोक्ता ने नौकरी से निकाल दिया। यह विडंबना ही है कि कभी ऐसे मामले पाकिस्तान व अफगानिस्तान में महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को लेकर सामने आते थे। अब भारत में कथित सांस्कृतिक शुचिता व नैतिकता के नाम पर ऐसे हमले किए जा रहे हैं। एक अन्य खतरनाक घटना में, एक लोकप्रिय यूट्यूब शो में दिखाई देने वाली एक डिजिटल निर्माता अपूर्वा मुखीजा को बलात्कार और जान से मारने की ऑनलाइन धमकी दी गई। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने हस्तक्षेप करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। निस्संदेह, इन घटनाक्रमों का पैटर्न स्पष्ट है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों, विशेष रूप से महिलाओं को कथित सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के नाम पर तेजी से निशाना बनाया जा रहा है। सवाल उठता है कि उनके इन मूल्यों को कौन परिभाषित करता है३ और किसने उन्हें इस सतर्कता को लागू करने का अधिकार दिया३ बठिंडा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पंजाब महिला आयोग ने निंदा करके सही कदम उठाया है, लेकिन केवल आधिकारिक निंदा पर्याप्त नहीं है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे मामलों को सुनियोजित अपराधों के रूप में दर्ज करना चाहिए, जो हमारे सामाजिक ताने–बाने को खतरा पहुंचाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भी इस दिशा में जिम्मेदारी उठानी चाहिए कि वे समय रहते सोशल मीडिया के दुरुपयोग रोकें व घृणास्पद सामग्री को अपने प्लेटफॉर्म से हटाएं। साथ ही सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखें। किसी भी लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी एक अपरिहार्य अंग है। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की आजादी की अपनी सीमाएं भी हैं। हालांकि, यह आजादी आलोचना से प्रतिरक्षा नहीं देती, लेकिन यदि आलोचना किसी की मर्यादा को नुकसान पहुंचाने या हत्या की धमकी में तब्दील होने लगे, तो शासन–प्रशासन को सख्त संदेश देना चाहिए। खासकर डिजिटल सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। विशेषकर जब डिजिटल निगरानी शारीरिक हिंसा में बदलने लगे। जिसे किसी कीमत पर सहन नहीं किया जाना चाहिए। यदि ऐसे मामलों में अभी से सख्ती न दिखाई गई तो समाज में ऐसी हिंसक कार्रवाई की घटनाओं को थामना मुश्किल हो जाएगा।

सेवा में कमी पर क्लेम व हर्जाना पाने का हक

श्रीगोपाल नारसन

शिकायतकर्ता के दिवंगत पति ने बीमाकर्ता से आवास ऋण लिया और इस ऋण को कवर करने के लिए एक समूह मास्टर पॉलिसी के तहत जीवन बीमा पॉलिसी, एसबीआई ऋण रक्षा पॉलिसी योजना खरीदी।

राजस्थान स्थित सिरोही के जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने एक इंश्योरेंस कंपनी को उपभोक्ता सेवा में कमी के लिए दोषी मानते हुए उपभोक्ता को 19650 की क्लेम राशि 9 फीसदी वार्षिक ब्याज के साथ देने का आदेश दिया है,साथ ही मानसिक और शारीरिक परेशानी के लिए 20 हजार रुपए का अतिरिक्त मुआवजा देना होगा। शिवगंज निवासी हिम्मत मल ने अपने ऑटो रिक्शा का बीमा स्थानीय फर्म के एजेंट राजेंद्र सिंह से करवाया था। 10 अक्तूबर 2022 को शिवगंज में उनके ऑटो से सांड टकरा गया। इस दुर्घटना में ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर बीमा कंपनी के सर्वेयर ने जांच की और क्षतिग्रस्त ऑटो की मरम्मत कराने की अनुमति दी,जिसमे 19650 रुपए का खर्च आया,फिर सर्वेयर ने क्लेम पास करने के लिए रिश्वत मांगी। लेकिन हिम्मत मल ने घूस देने से मना किया तो सर्वेयर ने दुर्घटना स्थल कहीं ओर दिखाकर क्लेम रिजेक्ट करवा दिया। उपभोक्ता आयोग ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद पीड़ित पक्ष को बीमा क्लेम के 19650 रुपए परिवाद दायर करने की तिथि 19 दिसंबर 2022 से वसूली दिनांक तक 9 फीसदी साधारण ब्याज वार्षिक दर से अदा किए जाने के आदेश दिए। ऐसे ही एक अन्य मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कहा कि बीमा प्रस्तावों में प्रतिक्रिया की कमी का अर्थ समझौता नहीं है, और एक वैध अनुबंध केवल तभी स्थापित किया जाता है जब अधिकृत पार्टी से स्पष्ट स्वीकृति हो। शिकायतकर्ता के दिवंगत पति ने बीमाकर्ता से आवास ऋण लिया और इस ऋण को कवर करने के लिए एक समूह मास्टर पॉलिसी के तहत जीवन बीमा पॉलिसी, एसबीआई ऋण रक्षा पॉलिसी योजना खरीदी। उन्होंने 50 लाख रुपये की बीमा राशि वाली पॉलिसी के लिए 85,360 रुपये के प्रारंभिक प्रीमियम के साथ एक सदस्यता फॉर्म जमा किया। मेडिकल जांच में हाई ब्लड शुगर के स्तर का खुलासा होने के बाद, बीमाकर्ता ने 1,39,137 रुपये के बढ़े हुए प्रीमियम पर कवरेज की पेशकश की, जिसे शिकायतकर्ता के पति ने स्वीकार नहीं किया। नतीजतन, प्रारंभिक प्रीमियम वापस कर दिया गया था। कुछ समय बाद उनका निधन हो गया, और शिकायतकर्ता ने दावा फॉर्म जमा कर दिया। दावे के संबंध में कानूनी नोटिस जारी करने के बाद, शिकायतकर्ता ने सेवा में कमी का आरोप लगाते हुए आंध्र प्रदेश के राज्य आयोग में वाद दायर कर ब्याज के साथ 50 लाख रुपये, परेशानी के लिए 5 लाख रुपये और वाद खर्च के रूप में 1 लाख रुपये की मांग की। राज्य आयोग ने बीमाकर्ता को ब्याज के साथ बकाया ऋण राशि का भुगतान करने का आदेश दिया। नतीजतन, बीमाकर्ता ने राष्ट्रीय आयोग के समक्ष अपील की। बीमाकर्ता ने तर्क दिया कि एसबीआई ऋण रक्षा पॉलिसी योजना के तहत बीमा कवरेज आवास ऋण से जुड़ा एक स्वैच्छिक विकल्प था, जिसके लिए चिकित्सा जांच की आवश्यकता थी। उच्च रक्त शर्करा स्तर के कारण, बीमा प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप मृतक के लिए कोई बीमा कवरेज नहीं था। केवल प्रीमियम राशि जमा करने से स्वचालित रूप से पॉलिसी नहीं बनती है, क्योंकि अनुबंध के लिए आवश्यक पूर्ण शेष प्रीमियम का भुगतान नहीं किया गया था। प्रतिफल की कमी के कारण बीमा अनुबंध शून्य था। उन्होंने तर्क दिया कि राज्य आयोग ने शिकायतकर्ता के पक्ष में निर्णय देकर गलती की। इसी प्रकार के एक अन्य मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कहा है कि बिना किसी कारण के प्राथमिक बीमा कवरेज दस्तावेजों सहित पूर्ण पॉलिसी अनुबंध विवरण प्रदान करने में देरी 'सेवा में कमी' है। यह माना गया कि यह पॉलिसीधारक को जोखिम कवर के संबंध में अनिश्चितता के लिए उजागर करता है। शिकायतकर्ताओं ने कोल्ड स्टोरेज में 60,543 बैग और आलू के 41,880 बैग की अपनी खेप रखी और न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से बीमा करवाया। कवरेज 90 लाख रुपये था। पॉलिसी 15 अप्रैल 2008 से 14 नवम्बर 2008 तक वैध थी और 50,400 रुपये के प्रीमियम का भुगतान किया गया था। दिनांक 10 सितंबर 2008 को कोल्डस्टोर सुविधा में शार्टकट का पता चला था। भयंकर तूफान के कारण बिजली की बंदी 22 सितंबर 2008 तक बनी रही। परिणामस्वरूप 27,81,592 रुपये मूल्य के 31,609 बोरे आलू खराब हो गए। वहीं घटना की तारीख तक बीमा कंपनी द्वारा शिकायतकर्ता को बीमा कवर नोट जारी नहीं किया गया था। जो उपभोक्ता सेवा में व्यापक कमी थी।

दुनिया में मित्रविहीन क्यों होता जा रहा है भारत?

राजेंद्र शर्मा

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि करीब पांच दर्जन सांसदों तथा कूटनीतिज्ञों के सात दलों के 33 देशों दौरे से भी, कम से कम विदेश नीति मामले में मोदी सरकार ने कोई सबक नहीं लिया लगता है। यह तब है जब जैसा कि आम तौर पर सभी जानते भी हैं और मानते भी हैं, 7 से 10 मई के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सैन्य झड़पों की पृष्ठभूमि में मोदी सरकार को, जो राजनीति में उभयपक्षीयता के विचार से सिर्फ कोसों दूर ही नहीं है, एकप्रकार से इस तरह की परंपराओं की शत्रु ही बनी रही है, दुनिया भर में इन बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों को भेजने की जरूरत इसीलिए महसूस हुई थी कि, उक्त टकराव के संदर्भ में भारत की विदेश नीति पूरी तरह से विफल रही थी। जैसाकि सभी ने दर्ज किया था, मोदी राज की विदेश नीति के 11 साल का हासिल यही था कि छोटे से बड़ा तक और विकसित से पिछड़ा तक, दुनिया का एक भी देश इस टकराव में स्पष्ट रूप से भारत का पक्ष लेने के लिए सामने नहीं आया था। और तो और रूस जैसा भारत का सदाबहार मददगार और समर्थक तक, दुविधाग्रस्त नजर आ रहा था। बाकी सारी दुनिया को छोड़ भी दें तो हमारा एक भी पड़ौसी देश, दक्षिण एशिया का कोई भी देश, भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ था। अलबत्ता, अफगानिस्तान ही इस मामले में अपवाद साबित हुआ था, जहां की तालिबान सरकार के साथ बढ़ती नजदीकियों के बावजूद, भारत अब तक उसे कूटनीतिक मान्यता देने की हिकमत नहीं जुटा पाया है। इस कूटनीतिक आउटरीच कार्यक्रम के बाद, इन बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से प्रधानमंत्री मोदी ने बहुप्रचारित मुलाकात भी की थी। इस मुलाकात के संबंध में प्रेस में आए कुछ ब्यौरों में, प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों द्वारा इन दौरों में बने अपने इंप्रैशन बेलाग तरीके से प्रधानमंत्री से साझा किए जाने के जोर–शोर से दावे किए गए हैं, हालांकि विवरणों पर प्रायरू चुप्पी साध ली गयी है। फिर भी यह मानने का कोई कारण नहीं है कि कम से कम राजनीतिक राय के इंद्रधनुष के अधिकांश रंगों का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसदों ने सारे संकोच के बावजूद, इन विदेश दौरों के अपने वास्तविक इंप्रैशन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, कम से कम इशारतन, प्रधानमंत्री से साझा नहीं किए होंगे। इनमें इसे समझने के लिए कुछ–न–कुछ संकेत भी जरूर रहे होंगे कि आंतकवाद जैसे मुद्दे पर भी भारत आज दुनिया में इतना अलग–थलग क्यों है? लेकिन, प्रधानमंत्री की उक्त बैठक के बाद का मोदी सरकार का प्रकट कूटनीतिक आचरण यही दिखाता है यह सरकार न कुछ भी न सीखने को तैयार है और न रत्तीभर बदलने को। उक्त प्रतिनिधिमंडलों की स्वदेश वापसी के फौरन बाद, मोदी सरकार की कूटनीति की महत्वपूर्ण परीक्षा एक नहीं दो अलग–अलग किन्तु परस्पर जुड़े हुए मामलों में हुई। इनमें से पहला मामला इजरायली नरसंहार की शिकार गजा की जनता की प्राण रक्षा के लिए, तुरंत युद्घविराम कराने के संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव का था। गजा पर दो साल से ज्यादा से जारी इजरायली हमलों में साठ हजार से ज्यादा असैनिक मारे जा चुके हैं, जिनमें बहुमत बच्चों और महिलाओं का ही है। इस नरसंहारकारी युद्घ में इजरायल सिर्फ हवाई हमलों से लेकर जमीनी चढ़ाई तक, सैन्य हथियारों का ही इस्तेमाल नहीं कर रहा है बल्कि घेरेबंद गजा में न्यूनतम आपूर्तियां तक पहुंचने के रास्ते बंद करने के जरिए, भूख को समान रूप से घातक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है और गजाघ्वासियों को सामूहिक दंड के रूप में भुखमरी में धकेल रहा है। हैरानी की बात नहीं है कि विश्व न्यायिक मंचों ने इस मामले में इजरायल को युद्घ अपराधों का दोषी तक करार दिया है। स्वाभाविक रूप से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रचंड बहुमत से गजा के खिलाफ जंग बंद किए जाने का प्रस्ताव स्वीकार किया। 149 देशों ने प्रस्तावे के समर्थन में वोट किया, जबकि इजरायल तथा अमेरिका समेत कुल 12 देशों ने प्रस्ताव खिलाफ वोट किया। लेकिन पूरी तरह से अप्रत्याशित न होते हुए भी बहुतों को हैरान करते हुए, भारत ने उन 18 अन्य देशों के साथ वोट किया, जिन्होंने खुद को इस प्रस्ताव पर मतदान से अलग रखे जाने के लिए मतदान किया था। भारत का यह रुख इसलिए और भी हैरान करने वाला था कि इससे पहले भारत ने, दो साल पहले इसी तरह के जंगबंदी के संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया था। यह समझना वाकई तर्क से परे था कि संयुक्त राष्ट्र संघ के पिछले और इस ताजातरीन प्रस्ताव के बीच ऐसा क्या बदल गया था, जो मोदी का भारत जंगबंदी की मांग का समर्थन करना छोड़कर, इस मांग पर तटस्थता का रुख अपनाने पर आ गया था!

'बहुमुखी प्रतिभा के धनी' 'कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा'

असम वासी कलागुरू विष्णु प्रसाद राभा के काम और नाम को अजीवन भूल नहीं सकते । असम के असाधारण महान व्यक्ति के कर्मजीवन की पहचान युग युग तक असमवासियो के हर्दयमन में बसी रहेगी । कला, साहित्य संगीत और संस्कृति आदि को सदृढ़ करने में राभा ने त्याग किया,

जो कि व्यर्थ नहीं गया । उनके अनमोल योगदान को प्रतिवर्ष २०जून को श्रद्धा सम्मान में याद करते है । यह दिन

राभा दिवस के रूप मनाकर उनके कार्यों का विस्तृत गुणगान करते ताकि भावी पीढ़ी स्मरण करता रहे,

असमवासियो में राभा का समस्त कर्ममय जीवन खासकर युवाओं हेतु मार्गदर्शन करने की अनमोल पूँजी है । राभा गन शिल्पी, जनता के शिल्पी थे। यहां जाति जनगोष्ठी में मतभेदों को भुलाकर समन्वय एकता का सशक्त बीजारोपण राभा ने विवेकपूर्ण तरीके से शक्तिशाली विकसित किया ।

वे समर्पित सेवाभाव से कार्य करते गए ।

जन जन में सेवाभावना से पहचान कायम करने में कड़े सँघर्ष किये । राभा तत्कालीन भेदभाव की दीवार को हटाकर एक सुनहरे असम निर्माण में सबसे शक्तिशाली भूमिका निभाए साथ ही वे संस्कृ ति की नींव को सशक्त करने में अत्यधिक बल दिए एवं विज्ञान स्वरूप असम के निर्माण में निरंतर विश्लेषण करके आगे बढ़ते गए । उनकी कर्मठता का परिचय

जनमानस में पारदर्शी हुआ । उनका त्याग में प्रत्यक्ष असरदार झलकता, एकता के मार्ग में सबको चलने की प्रेरणादायक

शक्ति भरने में अडिग रहे । नई चेतना नई ऊर्जा भरने में राभा की लगन मेहनत सचमुच फलीभूत हुई ।समाज में हमेशा सजगता बढ़ाने में अग्रणी नेतृत्व निभाए । वे कर्मजीवन में कठोर कष्ट की परवाह कभी भी नहीं किये ।अपनेआप को नैतिक कर्तब्य निभाने की विचारधारा में पूर्णरूपेण जोड़े रखे । अपने संकल्प व लक्ष्य प्राप्ति में जनमानस में राभा की विलक्षण प्रतिभा हरदम उभरती रही । सभी के बीच घनिष्ठ सम्पर्क रखने का सरल अद्भुत गुण कूट कूट कर भरा था । सभीजनों के निकट जाना उनका हालचाल पूछना, सच्चाई से रूबरू होना फिर सन्तुष्ट होना एक अलग स्वभाव बना रहा । पीड़ित शोषित समाज के दुःख दर्द से चिंतित राभा अपने अलग तरीके से चिंतन मंथन किये जनमानस के मन में मानसिक शान्ति और शक्तियों का उदय राभा की उच्च सोच विचारों से हुआ । समाज की दुर्दशा में नई दिशा देने में राभा का कार्य सहायक और सफल रहा । वे हरदम एकाग्रता बरते ।राभा समस्या का स्थायी समाधान व निदान करने के प्रति सर्वोपरि सोच अटुट रखे । तत्कालीन समाज में व्यापक बदलाव का अहसास राभा के कर्मजीवन कर्मपद्धति से होने लगा । राभा की कार्यशैली व उनकी विचारधारा में निश्चित विशेषता जनमानस के चेहरे में मुस्कान भर दी । शिक्षित जीवन को वृहत सुंदर बेहतरीन तरीके से उपयोग करने में जुटे और वे अपने मन की बात को लिखित रूप में जगजाहिर किये ।उनकी प्रभावशाली लेखन शैली जनमानस के दिल को छू गई । उनका समूचा लेखन वास्तविक जानकारी से परिपूर्ण था । तत्कालीन समाज में राभा का लेखन एक दर्पण समान प्रतीत हुआ । राभा की लेखनी दमदार असरदार थी । राभा की समाज में एक अलग पहचान बनी उनके प्रति जनमानस का निरन्तर आकर्षण बढ़ा समाज में जो उन्हें बात अच्छी नहीं लगी उसके प्रति जूझते रहे । राभा की अदूरदर्शिता लीक से हटकर दिखलाई दी । इससे उनका सपना साकार रूप पाया । यहां समस्त जाति जनजाति में आपसी एकजुटता विश्वास की मलहम पट्टी लगाने में निःसंकोच राभा डटे रहे । उनका दृष्टिकोण बिल्कुल अलग व निस्वार्थ भाव में प्रत्यक्ष हुआ । समन्वय का असम रचने में

भीतरी इलाके तक भृमण किये । विश्वभर में असमिया जाति का परिचय देना निश्चित रखे मानव को लेकर एक सपना भी देखे । संगीत के जरिये मानव के हर्दयमन में बसने की इच्छा रखते । राभा के कर्मजीवन में समाज का सर्वांगीण विकास हुआ । राभा बहुमुखी कला प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे ।विष्णु प्रसाद राभा में स्वदेश प्रेम की भावना जगी हुई थी । इस

परिभाषा से वे ओतप्रोत जुड़े थे । छात्र जीवन में देशप्रेमी बने । वे स्वाधीनता आंदोलन में साहसिकता का परिचय दे गए ।

–ललित शर्मा

होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल यातायात पर ईरान क्या करेगा?

के रवींद्रन

इरान पर इजरायल के हमले ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक परिचित तनाव को फिर से जगा दिया है, जिससे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर चली गयीं। अब विश्लेषकों और रणनीतिकारों द्वारा तैयार किये जा रहे कई परिदृश्यों में से एक सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैरू क्या ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को निशाना बनायेगा? फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से अलग करने वाला यह संकीर्ण जलमार्ग लंबे समय से वैश्विक तेल व्यापार में सबसे महत्वपूर्ण चोकपॉइंट माना जाता है। लगभग 120लाख बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन इससे होकर गुजरता है–जो वैश्विक खपत का 20 प्रतिशत से अधिक है। इस मात्रा का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा एशिया से जुड़ा है, जो भारत और चीन से लेकर जापान और दक्षिण कोरिया तक क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की ऊर्जा जीवन रेखाओं को बनाये रखने में जलडमरूमध्य की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित करता है। अभी तक, बाजार की भावना सतर्क हिचकिचाहट की स्थिति में प्रतीत होती है। कीमतों में उछाल सार्थक रहा है, लेकिन अव्यवस्थित नहीं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि ईरान की प्रतिक्रिया अभी भी अनिश्चित है। यदि इतिहास कोई मार्गदर्शक है, तो ईरान इजरायली सैन्य स्थलों या क्षेत्रीय प्रॉक्सी को लक्षित करके एक सुनियोजित जवाबी कार्रवाई का विकल्प चुन सकता है, जिससे व्यापक टकराव से बचा जा सके। इस तरह के कदम, सुर्खियां बटोरने के बावजूद, आमतौर पर तेल की कीमतों में केवल अल्पकालिक उछाल लाते हैं। लेकिन इस बार, गणित अलग लगता है। अगर ईरान सऊदी अरब या यूएई में तेल के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर, या होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने या बाधित करने का प्रयास करके– तो तेल की कीमतें बहुत अधिक अस्थिर चरण में प्रवेश कर सकती हैं। ये सैद्धांतिक जोखिम नहीं हैं। ईरान के पास जलडमरूमध्य को बंद करने की धमकी देने का एक लंबा रिकॉर्ड है, और हालांकि यह कभी भी पूरी तरह से सफल नहीं हुआ है, लेकिन इसकी पिछली कार्रवाइयों – मिसाइल लॉन्च से लेकर तेल टैंकरों को जब्त करने तक– ने साबित कर दिया है कि इसमें महत्वपूर्ण व्यवधान और अनिश्चितता पैदा करने की क्षमता है। जो बात वर्तमान परिदृश्य को और अधिक अनिश्चित बनाती है, वह यह है कि जलडमरूमध्य के लिए उपलब्ध विकल्प सीमित और पूर्ण प्रवाह निरंतरता बनाये रखने के लिए अपर्याप्त हैं। सऊदी अरब ईस्ट–वेस्ट पाइप लाइन का संचालन करता है, जो पूर्वी प्रांत से तेल को लाल सागर तक ले जाता है, जो जलडमरूमध्य को पूरी तरह से दरकिनार कर देता है। इसी तरह, यूएई हबशान–फुजैरा पाइप लाइन का उपयोग करता है, जिससे कुछ तेल होर्मुज से गुजरे बिना वैश्विक बाजारों तक पहुंच जाता है। हालांकि, ये मार्ग एक साथ केवल लगभग 60 लाख बैरल प्रतिदिन संभालते हैं – जो आमतौर पर जलडमरूमध्य से गुजरने वाली मात्रा का बमुश्किल आधा है। इस प्रकार कोई भी लंबे समय तक व्यवधान एक बड़ी बाधा उत्पन्न करेगा, जिससे रिफाइनर, व्यापारी और सरकारें रणनीतिक भंडारों को कम करने या वैकल्पिक स्रोतों के लिए संघर्ष करने के लिए मजबूर होंगी, जिससे कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति चुनौती को और बढ़ा देती है। जलडमरूमध्य का सबसे संकरा बिंदु केवल 21 मील चौड़ा है, जिसमें शिपिंग लेन दोनों दिशाओं में केवल दो मील चौड़ी हैं। यह ओमान के साथ साझा है, लेकिन ईरान की निकटता और इसके उत्तरी तटों पर नियंत्रण इसे जल पर काफी प्रभाव डालने की अनुमति देता है। ईरान ने पहले टैंकरों को अपने जल में गलत दिशा में ले जाने के लिए जीपीएस सिग्नल जाम करने जैसी रणनीति का इस्तेमाल किया है, साथ ही जहाजों को परेशान करने या जब्त करने के लिए तेज नावों को तैनात किया है – ऐसे कदम जो जरूरी नहीं कि तेल के प्रवाह को रोकें लेकिन यात्रा को जोखिम भरा और अधिक महंगा बनाते हैं। शिपमेंट पर बीमा प्रीमियम बढ़ता है, और इसी तरह चार्टर दरें और माल ढुलाई लागत भी बढ़ती है, जो सभी वैश्विक तेल के लिए बढ़ती लागत आधार में योगदान करते हैं। जटिलता की एक और परत क्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिक बलों की उपस्थिति है, जिन्हें जलडमरूमध्य के माध्यम से मुक्त मार्ग सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। अगर ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाता है– चाहे वह फारस की खाड़ी में हो या मध्य पूर्व में स्थित ठिकानों पर–तो संघर्ष नाटकीय रूप से बढ़ने का जोखिम है। ऐसी स्थिति में जोखिम में निरंतर वृद्धि देखने को मिलेगी तेल की कीमतों में उछाल, संभवतरू 100 के निशान से भी ऊपर चली जायेगी, क्योंकि बाजार की कीमतें एक बार की झड़प के बजाय एक लंबे समय तक चलने वाले व्यवधान पर निर्भर हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि जिस व्यापक रणनीतिक माहौल में यह सब हो रहा है, उस पर विचार किया जाये। वैश्विक तेल बाजार कोविड युग के झटकों से धीरे–धीरे उबर रहा है, आपूर्ति–मांग संतुलन सख्त हो रहा है, लेकिन अभी भी नाजुक है। ओपेक अपनी उत्पादन रणनीति के साथ सतर्क रहा है, तथा अतिरिक्त क्षमता का प्रबंधन करते हुए मूल्य स्थिरता बनाये रखने का प्रयास कर रहा है। कोई भी भू–राजनीतिक झटका जो आपूर्ति को और कम कर देता है, इस संतुलन को बिगाड़ सकता है, खासकर अगर यह उत्तरी गोलार्ध में मौसमी मांग में वृद्धि के साथ मेल खाता हो। मध्य पूर्वी तेल के दो सबसे बड़े उपभोक्ता चीन और भारत भी बढ़ती बेचैनी के साथ स्थिति को देख रहे हैं। दोनों अपने तेल आयात में विविधता ला रहे हैं और रणनीतिक भंडार बना रहे हैं, लेकिन दोनों में से कोई भी आसानी से होर्मुज के माध्यम से बहने वाले तेल की मात्रा को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता है। लंबे समय तक व्यवधान का खतरा उन्हें पर्दे के पीछे कूटनीतिक रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित कर सकता है, जो संभवतरू खाड़ी सहयोगियों पर निर्भर हो सकता है या तनाव को कम करने के लिए तेहरान के साथ लाभ का उपयोग कर सकता है। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका, हालांकि पिछले दशकों की तुलना में मध्य पूर्वी तेल पर कम निर्भर है, अपनी सुरक्षा प्रतिबद्धताओं और क्षेत्र में व्यापक भू–राजनीतिक हितों के कारण एक प्रमुख खिलाड़ी बना हुआ है।

आप जैसा कोई : 11 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर दिखेगी माधवन और फातिमा की नई प्रेम कहानी

फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर एक्टर आर. माधवन और फातिमा सना शेख की अपकमिंग रोमांटिक फिल्म आप जैसा कोई 11 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली है। निर्देशक विवेक सोनी ने कहा, आप जैसा कोई एक ऐसी फिल्म है, जो अपने चारों ओर बनाई गई दीवारों को तोड़कर बाहर निकलने पर जोर देती है। यह फिल्म प्यार में झिझक और कमजोरी को अपनाने के बारे में है। फिल्म में आर. माधवन श्रीरेणु का किरदार निभा रहे हैं, जो एक शांत स्वभाव के संस्कृत के शिक्षक हैं। वहीं फातिमा सना शेख मधु नाम की लड़की के किरदार में हैं, जो एक जिंदादिल फ्रेंच की टीचर हैं। दोनों एक–दूसरे से बिलकुल अलग हैं, लेकिन कहानी में दोनों के बीच प्यार कैसे पनपता है, यही फिल्म का खास हिस्सा

> यह फिल्म प्यार में झिझक और कमजोरी को अपनाने के बारे में है। फिल्म में आर. माधवन श्रीरिणु का किरदार निभा रहे हैं, जो एक शांत स्वभाव के संस्कृत के शिक्षाक हैं। वहीं फातिमा सना शेख मधु नाम की लड़की के किरदार में हैं, जो एक जिंदादिल फ्रेंच की टीचर हैं। दोनों एक-दूसरे से बिलकुल अलग हैं, लेकिन कहानी में दोनों के बीच प्यार कैसे पनपता है, यही फिल्म का खास हिस्सा है।

है। यह फिल्म सिर्फ रोमांस की नहीं, बल्कि परिवार, अपनेपन और बराबरी वाले रिश्ते की भी कहानी है। सोनी ने कहा कि कॉमेडी रोमांस ड्रामा मीनाक्षी सुंदरेश्वर के बाद नेटफ्लिक्स के साथ दोबारा काम करना अच्छा और संतोषजनक अनुभव रहा। निर्देशक ने कहा, मैं एक ऐसी प्रेम कहानी दिखाने को उत्साहित हूं जो कोमल, उलझी, लेकिन दिल से जुड़ी हुई है। यह कहानी दिखाती है कि सच्चे प्यार में दिल खोलकर किसी को अपनाने के लिए हिम्मत चाहिए। आर. माधवन और फातिमा सना शेख ने अपने किरदारों को दिल से निभाया है। नेटफ्लिक्स के दर्शक इस फिल्म से खुद को जोड़ पाएंगे। नेटफ्लिक्स इंडिया की ओरिजिनल फिल्म्स की निदेशक रुचिका कपूर शेख ने कहा कि श्आप जैसा कोईश टूटी हुई उम्मीदों और पुराने सोच के बीच पनप रही भावनाओं की कहानी है। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म में कई खूबसूरत सीन हैं। इसमें आर. माधवन, फातिमा सना शेख, आयशा रजा और बाकी कलाकारों ने भी शानदार अभिनय किया है। फिल्म देखने में बहुत खूबसूरत और दिल को छूने वाली है। धर्माटिक एंटरटेनमेंट, जो फिल्मों में रोमांस दिखाने के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने इस पारंपरिक प्रेम कहानी को एक नए और आज के जमाने के अंदाज में पेश किया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स की उन कई खास फिल्मों में से एक है जो हम इस साल ला रहे हैं। यह फिल्म धर्माटिक एंटरटेनमेंट की तरफ से करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और सोमन मिश्रा ने मिलकर बनाई है। फिल्म आप जैसा कोई 11 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

8 घंटे की शिफ्ट टाइमिंग पर छिड़ी बहस के बीच बोलीं जेनेलिया, कहा– मैं रोज 10 घंटे काम करती हूं और कई बार डायरेक्टर इसे बढ़ा भी

एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म में एक्ट्रेस सुपरस्टार आमिर खान के साथ नजर आएंगी। ऐसे में वह जमकर फिल्म का प्रमोशन करने में जुटी हैं। इसी बीच हाल ही में जेनेलिया ने 8 घंटे की शिफ्ट टाइमिंग और वर्क–लाइफ बैलेंस को लेकर छिड़ी चर्चा पर बात की और बताया के वह हर दिन 10 घंटे काम करती हैं। दरअसल, शिफ्ट टाइमिंग पर बहस तब छिड़ी जब दीपिका ने निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से आठ घंटे की शिफ्ट करने की शर्त रखी थी। इस पर सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। इसके बाद कई सितारे दीपिका के सपोर्ट में अपनी बात कर चुके हैं। वहीं, जब हाल ही में जेनेलिया डिसूजा से जब वर्क–लाइफ बैलेंस से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि डायरेक्टर जब काम के घंटे बढ़ा देते हैं तो वे एडजस्टमेंट कर लेती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, यह मुश्किल है लेकिन असंभव नहीं है। मैं दिन में 10 घंटे काम करती हूं और ऐसे दिन भी आते हैं जब डायरेक्टर इसे बढ़ाकर 11 या 12 घंटे करने के लिए कहते हैं। जेनेलिया ने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह ठीक है, लेकिन हमें उन एडजस्टमेंट को करने के लिए समय चाहिए। जब आपके पास एक या दो दिन होते हैं, जब आपको ज्यादा काम करना पड़ता है। यह एक आपसी समझ और प्रोसेस भी है, जिसकी जरूरत है।

ठग लाइफ विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सेंसर बोर्ड से प्रमाणित फिल्म रिलीज की पात्र

सुप्रीम कोर्ट ने कमल हासन की फिल्म श्ठग लाइफश की कर्नाटक में रिलीज को लेकर हो रहे विरोध और याचिकाओं पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी भीड़ को यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह कानून को अपने हाथ में लेकर फिल्म रिलीजिंग प्रक्रिया को प्रभावित करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह कानून का शासन बनाए रखे। कोर्ट ने यह भी कहा कि फिल्म रिलीज होनी ही चाहिए, और थियेटर मालिकों को इस बात का डर नहीं होना चाहिए कि उनके थियेटर में कोई हिंसा या आगजनी की जाएगी। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि यह लोगों की इच्छा पर निर्भर करता है कि वे फिल्म देखें या न देखें, लेकिन सेंसर बोर्ड से प्रमाणित फिल्म को रिलीज जरूर किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट में दाखिल याचिका को भी अपने पास ट्रांसफर कर लिया है और कर्नाटक सरकार को 18 जून तक जवाब देने का निर्देश दिया है। 19 जून को अगली सुनवाई निर्धारित है। वहीं, कोर्ट ने कर्नाटक के लोगों की भावना आहत करने के लिएश कमल हासन को माफी मांगने का निर्देश देने पर हाईकोर्ट को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा, ये हाईकोर्ट का काम नहीं है कि वो किसी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का आदेश दे। फिल्म निर्माता की ओर से कोर्ट में बताया गया कि वह फिल्म चौंबर्स ऑफ एसोसिएशन के साथ मीटिंग कर समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे फिल्म को रिलीज किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई कि फिल्म प्रोड्यूसर पर दबाव डालकर या धमकी देकर समझौते के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। अगर किसी फिल्म को सेंसर बोर्ड से प्रमाणन मिला है, तो वह फिल्म कानूनी रूप से रिलीज की पात्र है। मामले में वकील नवप्रीत कौर ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई में मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार को कल तक अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। साथ ही, जो हाईकोर्ट में निर्माता द्वारा रिपीटेशन याचिका दायर की गई थी, उसे भी सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने का निर्देश दिया गया है। अब इस मामले की सुनवाई गुरुवार को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि नियम और कानून के तहत, जब कोई फिल्म सेंसर बोर्ड से प्रमाणित हो चुकी है, तो उसे ऐसी धमकियों या दबाव के चलते प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। अदालत ने नियम और कानून की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि इस मामले में त्वरित सुनवाई आवश्यक है, इसलिए इसे एक दिन बाद ही सूचीबद्ध किया गया है। बता दें कि कमल हासन ने श्ठग लाइफश के प्रमोशन के दौरान भाषा को लेकर टिप्पणी की थी। 28 मई को चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ है।

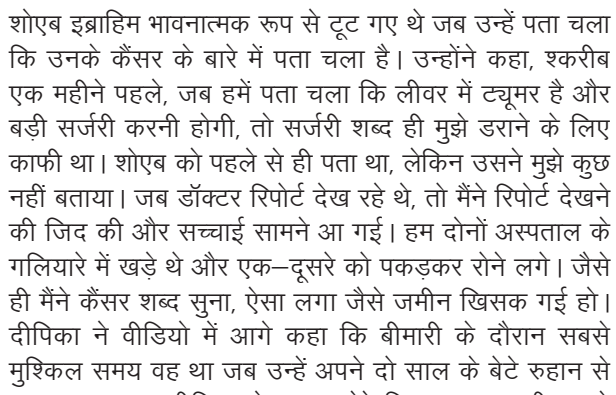

दीपिका कक्कर ने कैंसर की सर्जरी होने के बाद अपने 'सबसे बड़े डर' का खुलासा किया

अस्पताल से लौटने के बाद, दीपिका ने अपना पहला व्लॉग पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी यात्रा, दर्द और भावनात्मक रिकवरी के बारे में बात की। हाल ही में, उनके पति शोएब इब्राहिम ने भी एक वीडियो साझा किया, जिसमें सर्जरी के बाद दीपिका के गले में घाव की झलक ने ध्यान आकर्षित किया। कैंसर के निदान पर दीपिका और शोएब की प्रतिक्रिया अपने यूट्यूब चौनल श्दीपिका की दुनियाश पर पोस्ट किए गए इस 23 मिनट के वीडियो में अभिनेत्री ने बताया कि कैसे वह और उनके पति शोएब इब्राहिम भावनात्मक रूप से टूट गए थे जब उन्हें पता चला कि उनके कैंसर के बारे में पता चला है। उन्होंने कहा, श्करीब एक महीने पहले, जब हमें पता चला कि लीवर में ट्यूमर है और बड़ी सर्जरी करनी होगी, तो सर्जरी शब्द ही मुझे डराने के लिए काफी था। शोएब को पहले से ही पता था, लेकिन उसने मुझे कुछ नहीं बताया। जब डॉक्टर रिपोर्ट देख रहे थे, तो मैंने रिपोर्ट देखने की जिद की और सच्चाई सामने आ गई। हम दोनों अस्पताल के गलियारे में खड़े थे और एक–दूसरे को पकड़कर रोने लगे। जैसे ही मैंने कैंसर शब्द सुना, ऐसा लगा जैसे जमीन खिसक गई हो। दीपिका ने वीडियो में आगे कहा कि बीमारी के दौरान सबसे मुश्किल समय वह था जब उन्हें अपने दो साल के बेटे रुहान से दूर रहना पड़ा। दीपिका ने कहा, श्मेरे लिए एक रात भी उनसे दूर रहना बहुत मुश्किल था। मैं बहुत रोई। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह ऐसा होगा। लेकिन उस समय कोई और रास्ता नहीं था।श उन्होंने आगे कहा कि न केवल उन्हें अपने बेटे को दूर रखना था, बल्कि उसे स्तनपान भी नहीं कराना था। दवाइयों का सेवन इतना था कि उनका दूध बच्चे को नहीं पिलाया जा सकता था, इसलिए उन्हें उसे दूध छुड़ाना पड़ा। दीपिका ने कहा कि जब वह आईसीयू में भर्ती थीं, तब भी उन्हें प्रशंसकों का प्यार और दुआएं मिलती रहीं। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि उनके पति उनके साथ एक स्तंभ की तरह खड़े रहे। वह कई रातों तक जागते रहे और उनका ख्याल रखा। अभिनेत्री ने कहा कि सर्जरी के दौरान भी वह प्रार्थना करते रहे। इसके अलावा दीपिका कक्कड़ ने कहा कि वह रात में सोते समय जाग जाती थीं और शोएब की नींद में खलल न डालने की कोशिश करती थीं, लेकिन शोएब को तुरंत पता चल जाता था और वह भी जाग जाते थे। अभिनेत्री ने आगे कहा, जब मैं आईसीयू में थी, तो शोएब मुझसे कहते थे कि लाखों लोग मेरे लिए प्रार्थना कर रहे हैं। यह सुनकर मैं रो पड़ती थी, वे खुशी के आंसू थे। मुझे गर्व है कि इतने सारे लोग मुझे दिल से प्यार करते हैं।

जीने की इच्छा खत्म हो गई थी,बस बेटी को याद...23 दिन बाद राहुल देव ने भाई मुकुल के निधन पर तोड़ी चुप्पी

टीवी और फिल्मों के फेमस एक्टर मुकुल देव के निध ान ने हर किसी को झकझोर दिया था। उनकी मौत को लेकर तरह–तरह के कयास लगाए गए थे। अब उनके भाई और एक्टर राहुल देव ने मुकुल देव के निधन को लेकर खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मुकुल की मौत डिप्रेशन के कारण नहीं, बल्कि उसके खराब खान–पान की आदतों के कारण हुई। उन्होंने ये मुकुल देव की आखिरी दिनों की हालत के बारे में भी बताया। तैनस क्मअ ने एक वेब पोर्टल को दिए इंटरव्यू में कहा–वो साढ़े आठ दिन तक प्ब में रहा। मेडिकली, ये खराब खान–पान की आदतों का नतीजा था। पिछले चार–पांच दिनों में उसने खाना–पीना बिल्कुल बंद कर दिया था। बेशक, वो अकेला महसूस करता था और जिंदगी में उसकी दिलचस्पी खत्म हो गई थी... उसने कई काम के ऑफर्स ठुकरा दिए... अब जाकर, सभी रस्में पूरी करने के बाद सच्चाई का एहसास हो रहा है और मुझे पता है कि दर्द और गहरा होगा। उन्होंने बताया कि मुकुल साल 2019 में अपने पिता की देखभाल के लिए दिल्ली चले गए थे जिनका उसी साल निधन हो गया था। उनकी मां का निधन 2023 में हो गया। राहुल के अनुसार, मुकुल ने खुद को राइटिंग में लगा दिया और अकेले में रहना पंसद करने लगे। उन्होंने कहा कि उनके भाई को अपनी बेटी की बहुत याद आती थी। वो खुद की देखभाल नहीं कर रहे थे और अकेले रहने से भी कोई मदद नहीं मिली। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वो डिप्रेशन से जूझ रहे थे। इस पर चुप्पी तोड़ते हुए राहुल ने कहा– जो लोग अब बोल रहे हैं, वे उनके संपर्क में भी नहीं थे। वे कहते हैं कि वो अनफिट थे लेकिन उन्होंने हाफ मैराथन दौड़ लगाई थी। हां, उनका वजन बढ़ गया था। जब कोई खुद की परवाह करना बंद कर देता है तो ये पता चलता है... 2019 और 2024 के बीच वास्तव में उनके संपर्क में कौन रहा? क्या वे उनसे मिलने गए, जब वो अस्पताल में थे या उनकी प्रार्थना सभा में शामिल हुए? मालूम हो कि 23 मई को दिल्ली में मुकुल का निध ान हुआ था। उन्होंने 54 की उम्र में अंतिम सांस ली थी। मुकुल सन ऑफ सरदार, यमला पगला दीवाना और आर. .. राजकुमार जैसी फिल्मों में नजर आए थे। उन्होंने कई टीवी सीरियल्स जैसे श्घरवाली ऊपरवाली, कशिश, शशश... फिर कोई है, कुमकुम – एक प्यारा सा बंधन में काम किया था।

अंजीर को भिगोकर खाने से मिलते ज्यादा फायदे, आज ही बनाएं डाइट का हिस्सा

आयुर्वेद में अंजीर को गुणों का खजाना माना जाता है। अंजीर सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होता है। वहीं यह सभी पोषक तत्व बीमारियों से बचने में सहायता करता है। आयुर्वेद के हिसाब से भिगोए हुए अंजीर का सेवन करने से शरीर की गंदगी साफ होती है। कब्ज की समस्या से राहत मिलती है और एनर्जी बढ़ती है। वहीं रोजाना अंजीर का सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती है और स्किन में ग्लो भी आता है।

जब आप अंजीर पानी में भिगोकर खाते हैं, तो इसके फायदे भी अधिक बढ़ जाते हैं। वहीं इसके फायदे को दोगुना करना चाहते हैं, तो इसको दूध में भिगोकर खा सकते हैं। दूध में अंजीर भिगोकर खाने से शरीर को अधिक पोषण मिलता है। क्योंकि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी पाया जाता है। जोकि हमारी हड्डियों और दांतों के लिए बहुत जरूरी है। तो आइए जानते हैं अंजीर भिगोकर खाने से शरीर को क्या–क्या फायदे मिलते हैं।

अंजीर खाने से मिलने वाले फायदे

पाचन तंत्र में होगा सुधार

अंजीर में मौजूद फाइबर और छोटे बीज आंतों की सफाई में सहायता करता है। इसको रातभर दूध में भिगाकर खाने से कब्ज और अपच की समस्या दूर होती है। अंजीर में मौजूद फाइबर मल को नरम बनाता है और आंतों के स्वस्थ काजकाम को बढ़ावा देता है।

हड्डियां होंगी मजबूत

दूध और अंजीर का सेवन करने से हड्डियां मजबूत बनती हैं। अंजीर में कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाई जाती है। वहीं दूध में कैल्शियम पाया जाता है, जो हड्डियां मजबूत बनाता है। दूध और अंजीर का कॉम्बिनेशन ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं को रोकने में मदद करता है।

हार्ट के लिए हेल्दी है अंजीर

अंजीर में एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइबर मौजूद होता है, जोकि बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल करता है। इससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी काफी हद तक कम हो जाता है।

वेट लॉस में सहायक

बता दें कि वेट लॉस में भी अंजीर आपकी मदद कर सकता है। इसमें फाइबर अधिक और कैलोरी कम मात्रा में पाया जाता है, जो मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और वेट लॉस में भी मदद करता है। अंजीर में मौजूद फाइबर पाचन में मदद करता है और पेट को भरा हुआ रखने में मदद करता है।

जमीन नहीं पानी में योग करने के हैं ज्यादा फायदे, मन को सुकून देने का मजेदार तरीका है वॉटर योगा

योग को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। योग करने से न सिर्फ शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। योग कई तरह से किया जाता है। आज हम आपको वॉटर योगा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे अक्वा योगा या पूल योगा भी कहा जाता है। इसे पानी में, विशेष रूप से स्विमिंग पूल या किसी अन्य जलाशय में किया जाता है। यह पारंपरिक योगासनों को पानी की हीलिंग और सपोर्टिव शक्ति के साथ मिलाकर किया जाता है, जिससे शरीर और मन दोनों को लाभ मिलता है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं

वॉटर योगा क्या है?

यह योग की वह शैली है जो पानी के अंदर या पानी की सतह पर की जाती है। इसमें सामान्य योगासन जैसे वृक्षासन, ताड़ासन, वॉरियर पोज आदि को पानी में संतुलन बनाकर किया जाता है। पानी शरीर को सपोर्ट देता है, जिससे आसनों को आसानी से किया जा सकता है। वॉटर योगा एक बेहतरीन तरीका है शरीर को सहजता, शक्ति और शांति देने का। यह न सिर्फ शरीर को लचीला और फिट बनाता है, बल्कि मानसिक रूप से भी सुकून देता है।

पानी में योगा करने के फायदे

पानी का बायोयेंसी प्रभाव शरीर का भार कम कर देता है, जिससे जोड़ों पर तनाव नहीं पड़ता। वहीं पानी की लहरें और तापमान शरीर की मांसपेशियों को सहारा और आराम देती हैं। पानी में रहने से मन शांत रहता है और मानसिक तनाव कम होता है। पानी में आसनों को करने से बॉडी बैलेंस और फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होती है। पानी में योग करते समय शरीर अधिक मेहनत करता है, जिससे कैलोरी बर्न होती है और फिटनेस बढ़ती है।

इन लोगों के लिए फायदेमंद है वॉटर योगा

–बुजुर्ग लोग जिनके घुटनों या पीठ में दर्द होता है।

–प्रेग्नेंट महिलाएं (डॉक्टर की सलाह के बाद)।

–वजन कम करना चाहने वाले लोग।

–थकान, तनाव या अनिद्रा से पीड़ित व्यक्ति।

योग में नए शुरूआत करने वाले लोग, क्योंकि पानी सहारा देता है।

वॉटर योगा करते समय ध्यान देने योग्य बातें

– प्रशिक्षित योग शिक्षक की निगरानी में करें।

– गहराई कम वाले पूल या पानी में ही करें।–सांसों और गति पर फोकस रखें।

– शरीर को हाइड्रेटेड रखें।

कैंसर से बचाव के लिए रोजाना पीएं ये 3 ताकतवर ड्रिंक्स, डॉक्टर ने भी दी सलाह

आज की तेज रफ्तार जिंदगी और बदलती जीवनशैली के बीच कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ आसान और हेल्दी आदतों को अपनाकर इस जानलेवा बीमारी से काफी हद तक बचा जा सकता है? ऐसी तीन शक्तिशाली ड्रिंक्स हैं, जिन्हें अगर आप अपनी डेली लाइफ में शामिल कर लें, तो ये न केवल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करेंगी, बल्कि कैंसर के खतरे को भी काफी हद तक कम कर सकती हैं। आइए जानते हैं कौन–सी हैं ये खास ड्रिंक्स और कैसे ये हमारी सेहत को बना सकती हैं और भी मजबूत।

कैंसर की गंभीरता और बचाव

कैंसर आज दुनिया भर में होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण है। हर साल लाखों लोग इस बीमारी से पीड़ित होते हैं और कई की जान चली जाती है। लेकिन हमारी रोजमर्रा की कुछ छोटी–छोटी आदतें इस जानलेवा बीमारी से बचाव कर सकती हैं। खासकर ये तीन ड्रिंक्स आपकी सेहत को मजबूत बनाकर कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम कर सकती हैं।

डॉक्टर सौरभ सेठी की तीन खास ड्रिंक्स

ग्रीन टी

ग्रीन टी में कैटेचिन नामक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर से हानिकारक फ्री रेडिकल्स को हटाने में

मदद करते हैं। इससे शरीर की सूजन कम होती है और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा घटता है। खासतौर पर माचा ग्रीन टी, जो कि इसका कंसंट्रेटेड रूप है, और भी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

ग्रीन स्मूदी

हरी पत्तेदार सब्जियों से बनी ग्रीन स्मूदी भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसे पालक, केल, खीरा, सेलरी और थोड़े से अदरक के साथ बनाकर पीया जा सकता है। यह ड्रिंक पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ–साथ सूजन कम करने में भी मदद करती है, जिससे कैंसर का खतरा कम हो सकता है।

हल्दी वाला दूध

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन नामक तत्व सूजन से लड़ने में मदद करता है और इसके कैंसर रोधी गुण भी हैं। डॉक्टर सौरभ सेठी हल्दी वाले दूध को बादाम के दूध और काली मिर्च के साथ पीना पसंद करते हैं, क्योंकि काली मिर्च करक्यूमिन के प्रभाव को बढ़ाता है। हर दिन ग्रीन टी, ग्रीन स्मूदी और हल्दी वाला दूध को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाव कर सकते हैं। यह तीनों ड्रिंक्स शरीर की सूजन को कम करके रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करती हैं।

नोटः यह जानकारी केवल सामान्य स्वास्थ्य जागरूकता के लिए है। यह किसी भी बीमारी का इलाज या दवा का विकल्प नहीं है। अगर आपको कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, तो कृपया डॉक्टर से परामर्श जरूर करें।

जूतों की बदबू दूर करने के लिए ट्राई करें ये आसान हैक्स, शर्मिंदगी का नहीं बनेंगे कारण

अगर आपके साथ भी ऐसा होता है कि आप जैसे ही जूते उतारते हैं, तो एक अजीब सी गंध पूरे कमरे में फैल जाती है। ऐसे में इस कारण शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। ऐसे में लोगों को दोस्तों के घर, सामाजिक समारोह में यहां तक कि अपने ही घर में जूते उतारने में शर्मिंदगी होती है। ये समस्या उन लोगों को ज्यादा होती है, जो पूरा दिन जूता पहनकर काम करता है या फिर जिन लोगों के पैरों में पसीना अधिक आता है। जूतों के अंदर नमी और बैक्टीरिया होने से दुर्गंध पैदा होती है, जो आपकी सोशल लाइफ को प्रभावित कर सकती है।

बदबू आने के पीछे कारण

जूतों से बदबू पसीने की वजह से नहीं बल्कि बैक्टीरिया होती है। पसीने की कोई अपनी गंध नहीं होती है। बैक्टीरिया पसीने की नमी वाली सतह पर पनपते हैं और अपशिष्ट छोड़ते हैं। जोकि बदबू का कारण बनते हैं। हालांकि जूतों से बदबू आना एक आम समस्या है, वहीं कई सारे उपाय करने के बाद भी यह बदबू दूर नहीं होती है। इसकी मुख्य वजह बैक्टीरिया है। जो पैरों की स्किन पर बड़ी संख्या में पैदा होते हैं। ये बैक्टीरिया जब अपशिष्ट छोड़ते हैं, तो उनमें कुछ खास तरह के ऑर्गेनिक एसिड जैसे– आइसोवेलरिक एसिड, थेनेथियोल और प्रोपेनोइक एसिड होते हैं। यह बैक्टीरिया स्वास्थ्य के लिए खतरनाक नहीं होते हैं। लेकिन इनमें से बहुत तेज बदबू आती है।

जूतों से क्यों आती है बदबू

पैरों में पसीने की ग्रंथियां बॉडी के अन्य हिस्सों की तुलना में ज्यादा होती है। जिससे शरीर के अन्य हिस्सों की तुलना में यहां पर अधिक नमी पैदा होती है।

धूल, नमी और हमारी खाल से गिरने वाली डेड स्किन मिलकर फंगस और बैक्टीरिया के बढ़ने के लिए वातावरण तैयार करती है। जब फंगस और बैक्टीरिया इस नमी और गंदगी को खाते हैं, तो वह अपशिष्ट के रूप में कार्बनिक अम्ल पैदा करते हैं, जोकि बदबू का मुख्य कारण बनते हैं।

जब आप ऐसे जूते पहनते हैं जो बहुत टाइट होते हैं और हवा अंदर–बाहर नहीं होती है। तो इसमें नमी फंस जाती है, जो बैक्टीरिया पनपने का कारण बनती है। वहीं कुछ जूतों में ऐसे सिंथेटिक मटेरियल होते हैं, जो बैक्टीरिया, पसीने और फंगस के साथ मिलकर बदबू को बढ़ा देते हैं।

वहीं रोजाना एक जूता पहनने और समय–समय पर साफ न करने से भी जूते में गंदगी और नमी जमा हो जाती है। जिसके कारण तेजी से बैक्टीरिया पनपते हैं।

अगर आप अच्छी फुट हाइजीन मेंटेन करते हैं, लेकिन फिर भी पैरों से बदबू आ सकती है। क्योंकि जूते पैरों के अंदर नमी रोकते हैं, यह नमी बैक्टीरिया पनपने के लिए एक माहौल तैयार करती है। ऐसे में जूतों से बदबू आना एक आम बात है।

जूतों को बदबू से ऐसे बचाएं

कई बार हम सभी जल्दबाजी में बिना पैर साफ किए जूते पहने लेते हैं। जिसके कारण पैरों में हल्की नमी पैदा होती है और गंदे पैरों के कारण बदबू आने लगती है।

अगर आप बिना मोजे के जूते पहनते हैं, तो पसीना आना तय है। वहीं मोजे पैरों की नमी सोख लेते हैं, जिसके कारण बैक्टीरिया नहीं पनपते हैं। साथ ही हर 6 से 12 महीने में मोजे बदलते रहें।

एक मोजा को सिर्फ एक बार पहनने के बाद उसको धो लें। अगर आप मोजे रिपीट करते हैं, तब भी बदबू आना तय है। क्योंकि पुराने मोजे में पहले से गंदगी और नमी जमी होती है।

अगर आप सालों से एक ही इनसोल पहन रहे हैं, तो इनको बदल लेना चाहिए। इनर सोल्स भी बदबू की वजह बन सकते हैं, क्योंकि ये नमी सोखते हैं और बैक्टीरिया पनपते हैं। ऐसे में इनर सोल्स खरीदते हुए एंटीमाइक्रोबियल ट्रीटमेंट वाले इनर सोल्स को प्राथमिकता देना चाहिए।

एक्सरसाइज करने के बाद हमारे पैर पसीने से भीग जाते हैं, ऐसे में यह नमी बदबू का कारण बन सकती है। इसलिए एक्सरसाइज करने के बाद जूतों को धूप में थोड़ी देर के लिए सुखाएं। इससे जूतों की नमी भी सूख जाएगी और बैक्टीरिया भी मर जाएंगे।

पैरों को धोने के दौरान उंगलियों के बीच की जगह और तलवों को भी अच्छे से साफ करें। जूते पहनने से पहले पैरों को धोएं और सप्ताह में एक–दो बार एक्सफोलिएट या स्क्रब करें। इससे पैरों की डेड स्किन हट जाएगी और बैक्टीरिया का भी जमाव नहीं होगा।

यदि पैरों में अधिक पसीना आता है, तो आप एंटीपर्सपिरेंट स्प्रे या पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह पसीने को कम करने के साथ ही जूतों को सूखा रखने में सहायता करता है।

बहुत ज्यादा टाइट जूते नहीं पहनना चाहिए, इनमें थोड़ी सी हवा के लिए जगह होनी चाहिए।

अगर आप बहुत ज्यादा टाइट जूता पहनते हैं, तो हवा अंदर–बाहर नहीं हो पाती और नमी ज्यादा बनने लगती है। इसलिए थोड़ा ढीले जूते जरूर पहनें।

रोजाना एक ही जूता नहीं पहनें, बदल–बदलकर जूते पहनें।

अगर आप रोजाना एक ही जूते पहनते हैं, तो यह जल्दी गंदे होते हैं। वहीं नमी भी नहीं सूख पाती है। इसलिए जूतों को बदल–बदलकर पहनना चाहिए और नमी को धूप में सुखाएं।

जूतों को बदबू से बचाने के हैक्स

विनेगर का इस्तेमाल करें

बेकिंग सोडा स्प्रे करें

जूतों में साबुन की टिकिया रखें

एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल करें

टी बैग्स का इस्तेमाल करें

डेंचर टैबलेट और पानी के घोल में डुबोएं

संक्षिप्त

डीएलएफ ने गुरुग्राम में 11,000 करोड़ रुपये में बेचे 1,164 लग्जरी अपार्टमेंट

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने गुरुग्राम में अपनी नई आवासीय परियोजना शुरू होने के एक सप्ताह के भीतर सभी 1,164 लक्जरी अपार्टमेंट करीब 11,000 करोड़ रुपये में बेच दिए हैं। डीएलएफ ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में अपनी नवीनतम लक्जरी पेशकश 'डीएलएफ प्रिवाना नॉर्थ' को बेचने की घोषणा की। यह बिक्री परियोजना शुरू होने के केवल एक सप्ताह के भीतर करीब 11,000 करोड़ रुपये में की गई। यह परियोजना गुरुग्राम के सेक्टर 76 व 77 में 116 एकड़ की एकीकृत टाउनशिप 'डीएलएफ प्रिवाना' का हिस्सा है। 'डीएलएफ होम डेवलपर्स' के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य व्यवसाय अधिकारी आकाश ओहरी ने कहा, ''यह डीएलएफ के व्यापक स्तर के आवास उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण को दर्शाता है ...'' उन्होंने कहा कि मजबूत बिक्री प्रतिक्रिया डीएलएफ की पेशकशों के लिए स्पष्ट मांग को दर्शाती है जो हमारी पिछली परियोजनाओं की सफलता से प्रेरित है। ओहरी ने कहा, ''हमने भारत और दुनिया भर के खरीदारों की इसमें रुचि देखी।'' इससे पहले सूत्रों ने बताया था कि डीएलएफ गुरुग्राम में इस नई लक्जरी आवास परियोजना के विकास के लिए करीब 5,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने इस 116 एकड़ की टाउनशिप में पिछले साल दो परियोजनाएं शुरू की थीं और उन्हें करीब 12,800 करोड़ रुपये में पूरी तरह बेच दिया था। डीएलएफ देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

सेबी का बड़ा प्रस्ताव, केवाईसी एजेंसियों को मिलेगी मान्यता, निवेशकों को होगा लाभ

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने केवाईसी पंजीकरण एजेंसियों (केआरए) के लिए बड़ा प्रस्ताव पेश किया है। इसके तहत केवाईसी एजेंसियों को अब मान्यता एजेंसी के रूप में काम करने की अनुमति दी जा सकती है। वर्तमान में यह सुविधा केवल स्टॉक एक्सचेंज और डिपॉजिटरी की सहायक कंपनियों तक ही सीमित है। सेबी ने इस प्रस्ताव पर 8 जुलाई तक आम जनता से सुझाव मांगे हैं। परामर्श पत्र में सेबी ने कहा कि मान्यता एजेंसियों के लिए पात्रता मानदंड को विस्तारित किया जा सकता है, ताकि सभी केआरए मान्यता एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए पात्र हो।

बाजार में अब तक केवल दो एजेंसियों को मिली है मान्यता

वर्तमान में बाजार में सिर्फ दो मान्यता एजेंसियां काम कर रहीं हैं । सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड, जो सीडीएसएल की सहायक कंपनी है। इसके अलावा एनएसडीएल डेटा मैनेजमेंट लिमिटेड, जो एनएसडीएल की एक शाखा है। सेबी के पास कुल पांच केआएर पंजीकृत हैं। बाजार नियामक के अनुसार इस कदम से मान्यता एजेंसियों की संख्या बढ़ेगी। साथ ही उनके बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है।

निवेशकों के लिए केवाईसी प्रक्रिया सरल

केवाईसी एजेंसियों को सेबी की मान्यता मिलने से निवशकों के लिए केवाईसी प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक हो जाएगी। इसके बाद वित्तीय संस्थानों में केवाईसी करवाने की जरूरत नहीं होगी।

एआईएफ की प्रक्रिया को बनाए जाएगा आसान

इसके अलावा सेबी ने वैकल्पिक निवेश फंड्स (एआईएफ) के लिए निवेशकों को मान्यता प्राप्त निवेशक के रूप में ऑनबोर्ड करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाने का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत एआईएफ का प्रबंधक प्रारंभिक जांच के आधार पर निवेशक को अस्थायी रूप से ऑनबोर्ड कर सकता है। हालांकि, जब तक निवेशक को मान्यता प्रमाण पत्र नहीं मिल जाता, तब तक फंड से कोई निवेश स्वीकार नहीं किया जाएगा। सेबी ने साफ तौर पर कहा कि अगर किसी निवेशक को फाइनल क्लोज से पहले मान्यता प्रमाण पत्र नहीं मिलता, तो उसका योगदान अनुबंध अमान्य माना जाएगा।

डाटा सेंटर–चिप निर्माण का प्रमुख केंद्र बन रहा भारत, निवेश कर रहीं विदेशी कंपनियां

नई दिल्ली। पूर्व और दक्षिण–पूर्व एशिया के विकसित और विकासशील देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) निवेश के प्रमुख गंतव्य (डेस्टिनेशन) बन गए हैं। इनमें भारत, सिंगापुर और मलयेशिया तेजी से डाटा केंद्र और चिप निर्माण परियोजनाओं के लिए प्रमुख गंतव्य बन रहे हैं। मूडीज एनालिटिक्स की रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई। मूडीज एनालिटिक्स की रिपोर्ट जारी की गई है, जिसका शीर्षक है– बाधाओं को पार कर रहा एआई। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब वैश्विक निवेश और व्यापार की रफ्तार धीमी हो रही है, तब भी एआई पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया, हालांकि व्यापार और भू–राजनीतिक तनाव अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहे हैं, फिर भी एआई की मांग इतनी ज्यादा है कि आपूर्ति कम पड़ जा रही है। इस अंतर को पाटने के लिए वैश्विक निवेशक डाटा केंद्र और सेमीकंडक्टर (चिप निर्माण) परियोजनाओं में पूंजी लगा रहे हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अमेरिका से बाहर एआई निवेश की हिस्सेदारी वहां आने वाले निवेश की तुलना में ज्यादा है, जो दिखाता है कि अमेरिकी तकनीकी (टेक) कंपनियां दुनिया भर में अपना विस्तार कर रही हैं। इसमें आगे कहा गया, पूर्वी और दक्षिण–पूर्व एशिया के विकसित और विकासशील देश अब प्रमुख निवेश स्थल बन गए हैं। खास तौर पर भारत, सिंगापुर और मलेशिया तेजी से डाटा केंद्र और चिप निर्माण के लिए पसंदीदा गंतव्य बन रहे हैं। ये बाजार कम लागत, बढ़ती मांग और तकनीकी निवेश के लिए अनुकूल नीतियां प्रदान करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और डिजिटल प्रतिभा (टैलेंट पूल) इसे डाटा केंद्र प्रदाताओं और चिप निर्माण कंपनियों के लिए आकर्षक स्थान बनाती है।

फ्लेमिंग-लारा जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हुए मुशफिकुर रहीम, श्रीलंका में दूसरी बार बनाए 150 रन

नई दिल्ली। बांग्लादेश के स्टार बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने श्रीलंका के खिलाफ जारी गॉल टेस्ट में 150 से ज्यादा रनों की पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। वह श्रीलंका की धरती पर 150+ स्कोर बनाने वाले छठे विदेशी बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने स्टीफन फ्लेमिंग और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों की बराबरी कर ली।

रहीम श्रीलंका में दूसरी बार 150+ स्कोर बनाने वाले पहले बांग्लादेशी

बांग्लादेश की टीम फिलहाल श्रीलंका दौरे पर है, जहां दोनों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। 17 जून यानी मंगलवार से शुरू हुए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ने चार विकेट खोकर 423 रन बना लिए हैं। बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल बाधित हुआ। इस दौरान मुशफिकुर रहमान ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने सातवीं बार बांग्लादेश के लिए 150 से ज्यादा रनों की पारी खेली। इसके अलावा वह पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बन गए जिसने दूसरी बार श्रीलंका के खिलाफ उन्हीं की धरती पर 150+ का स्कोर बनाया। ऐसा उन्होंने दूसरी बार किया।

श्रीलंका में दूसरी बार 150+ स्कोर बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज

बल्लेबाज 150+ स्कोर

स्टीफ़न फ्लेमिंग (न्यूजीलैंड) 2

ब्रायन लारा (वेस्टइंडीज) 2

यूनिस खान (पाकिस्तान) 2

जो रूट (इंग्लैंड) 2

अब्दुल्ला शफीक (पाकिस्तान) 2

मुशफिकुर रहीम (बांग्लादेश) 2

मैच में अब तक क्या हुआ?

बारिश के कारण खेल बाधित हो गया है। फिलहाल क्रीज पर मुशफिकुर रहीम 159 और लिट्टन दास 61 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। दोनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। बता दें कि, इस मैच में बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं हुई थी। पांच रन के स्कोर पर अनामुल हक बिना खाता खोले आउट हो गए थे। उन्हें असिथा फर्नांडो ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद रत्नायके ने शादमान इस्लाम को कैच आउट कराया। वह 14 रन बना पाए। वहीं, मोमिनुल हक 29 रन बनाकर लौट गए। इसके बाद मोर्चा कप्तान नाजमुल हुसैन शांतो ने संभाला। उन्हें मुशफिकुर रहीम का साथ मिला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 264 रनों की साझेदारी हुई। शांतो 148 रन बनाकर आउट हुए।

क्रिकेट के ये 2 नियम जुलाई से बदल जाएंगे, आईसीसी ने टी20 और वनडे के बदले Rules

अगले महीने से वनडे और टी20 में खेल के नियमों में बदलाव देखने को मिलेगा। जहां वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में 2 जुलाई से और टी20 क्रिकेट में 10 जुलाई से ये बदलाव होने वाला है। आईसीसी खेल के नियमों में बदलाव करके बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। टेस्ट क्रिकेट में नए नियम आज मंगलवार, 17 जून से शुरू हुई बांग्लादेश–श्रीलंका सीरीज से लागू हो गए हैं। वहीं वनडे में 2 जूलाई बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच अगली इंटरनेशनल सीरीज शुरू हो रही है और टी20 सीरीज भी इन दोनों देशों के बीच ही 10 जुलाई से होगी तब से ही नए नियमों को शामिल किया गया है। आईसीसी ने ये बदलाव मेन्स क्रिकेट के लिए ही किया है। वनडे मैच की एक ही पारी में पहले ओवर से 50वें ओवर तक दो गेंदों का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन अब 2 जुलाई से ऐसा नहीं होगा। अब मैच में 34वें ओवर के बाद केवल एक ही गेंद रह जाएगी, जिसका चुनाव गेंदबाजी टीम अपने मुताबिक कर सकती है। वहीं अगर खेल किसी वजह से 50 की जगह 25 ओवर का रह जाता है तो खेल की शुरुआत में ही एक पारी के केवल एक गेंद ही दी जाएगी। आईसीसी के नए नियमों के मुताबिक, खेल शुरू होने से पहले ही टीम को अपने सब्स्टिट्यूट प्लेयर्स के बारे में जानकारी देनी होगी। अगर किसी टीम का कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो उसकी जगह वही सब्स्टिट्यूट प्लेयर आएगा। जिसका नाम अंपायर के पास पहलेसे गया होगा। खेल की दोनों टीमें पांच पोजिशन के लिए पांच प्लेयर बता सकती हैं।

एक विकेटकीपर
एक बल्लेबाज
एक तेज गेंदबाज
एक स्पिन गेंदबाज
एक ऑलराउंडर

इस नए नियम के मुताबिक, अगर टीम में कोई तेज गेंदबाज चोटिल होकर खेल के बाहर जाता है तो उसकी जगह दूसरा तेज गेंदबाज ही मैच में आएगा। उस खिलाड़ी की जगह किसी ऑलराउंडर को टीम में नहीं लाया जा सकेगा। अगर रिप्लेस किया गया खिलाड़ी भी किसी तरह चोटिल हो गया है या खेलने की स्थिति में नहीं होगा उस दौरान उसकी जगह वही खिलाड़ी मैदान में उतर सकता है, जिसके लिए अंपायर इजाजत देगा।

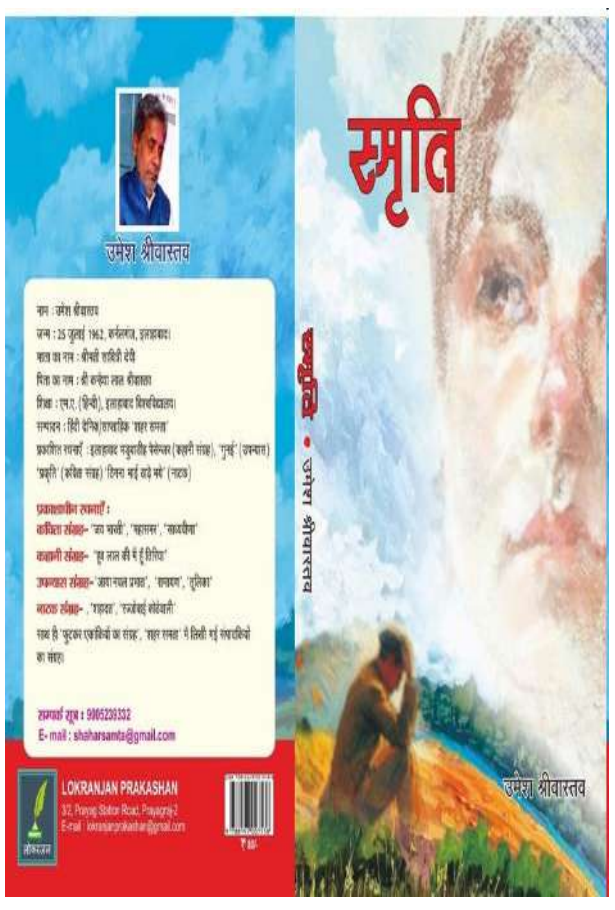

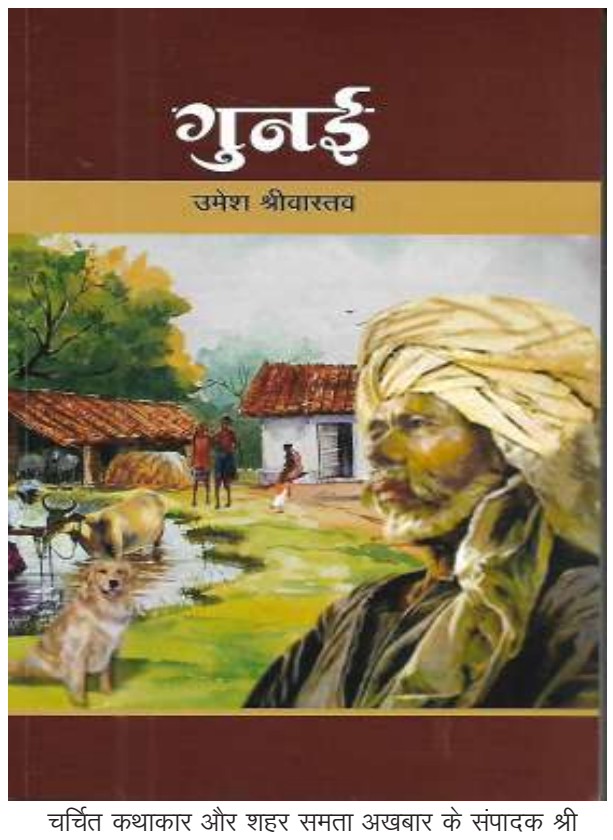

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

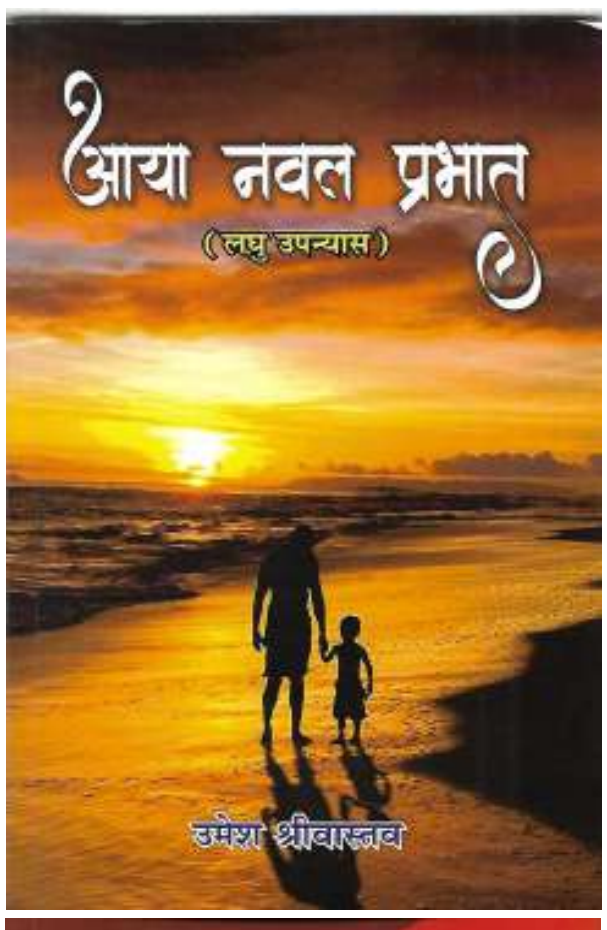

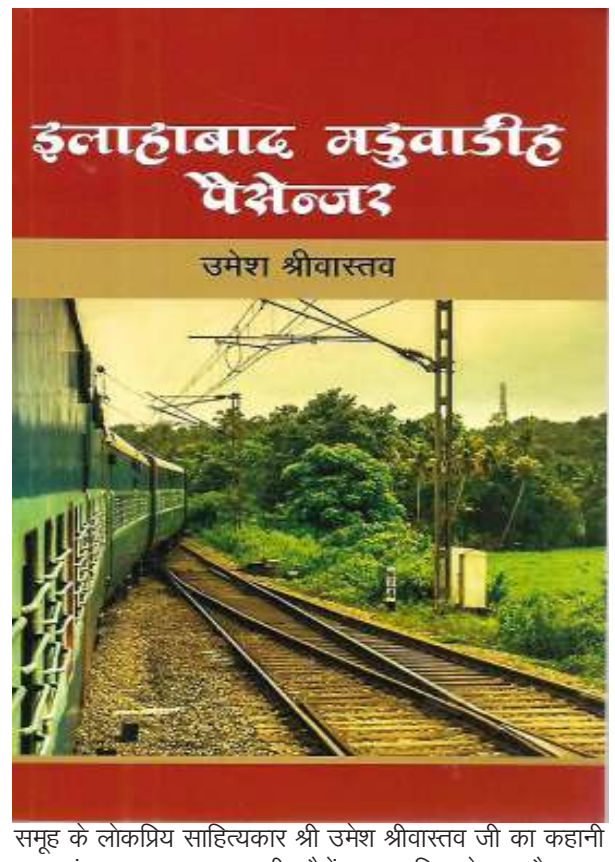

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

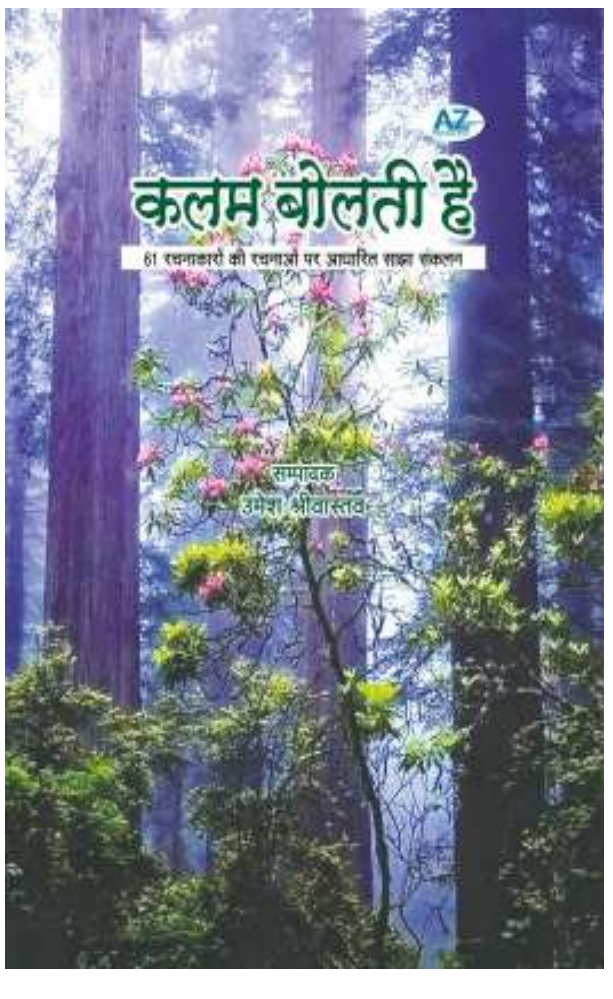

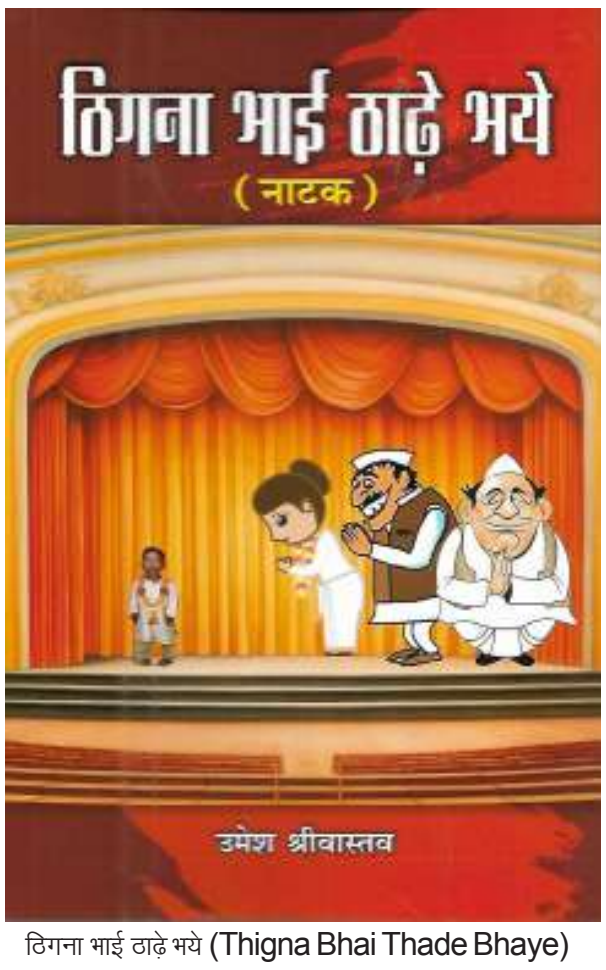

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अमेरिका आइये मोदी जी...ट्रंप ने बुलाया, भारत ने रिक्वेस्ट कर दी रिजेक्ट

अमेरिका के रवैये से भारत इन दिनों कुछ नाराज चल रहा है। इस बात को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भांप चुके हैं। नतीजन, प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात करने का आग्रह किया गया और फिर पीएम मोदी और ट्रम्प के बीच फोन पर बातचीत हुई। इसी बातचीत के दौरान ट्रंप ने एक ऐसी रिक्वेस्ट पीएम मोदी से की, जिसे सीधे सीधे पीएम मोदी ने मना कर दिया। जी7 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय कनाडा में मौजूद हैं। इसी दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन घुमाया और दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। विभिन्न मुद्दों को लेकर जब दोनों के बीच बात हो रही थी तो फोन रखने से पहले ट्रंप ने पीएम मोदी से एक आग्रह किया। कनाडा से लौटते वक्त अमेरिका आने का आग्रह। जिसे बहुत ही विनम्रता के साथ पीएम मोदी ने मना कर दिया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा कि क्या वे कनाडा से वापसी में अमेरिका रुक कर जा सकते हैं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी असमर्थता व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि पहले से शेड्यूल तय है। शेड्यूल के हिसाब से ही वो दौरे पर आए हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए झगड़े को लेकर क्लीयर मैसेज दे दिया। पीएम मोदी ने पहले ही कह दिया था कि किसी तीसरे देश की मध्यस्थता की भारत को कोई जरूरत नहीं है। न तो भारत ने कभी मध्यस्थता का ऑफर स्वीकार किया और न ही कभी मध्यस्थता की मांग की। यानी ट्रंप जो लंबे वक्त से क्रेडिट ले रहे थे। भारत उससे विपरीत काम कर रहा था और भारत अपनी सफाई पेश कर चुका है। लेकिन ट्रंप बावजूद इसके बार बार भारत पाकिस्तान का नाम ले रहे थे। भारत को इस बात से काफी आपत्ति थी और इसे वो दर्ज करा रहा था। ट्रंप की जब पीएम मोदी से बात हुई तो उन्होंने इस बात को दोहराया। उन्हें स्पष्ट रूप से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के अनुरोध पर रोका गया था न कि अमेरिका द्वारा मध्यस्थता या किसी व्यापार समझौते की पेशकश के कारण। ट्रंप के साथ मंगलवार को फोन पर 35 मिनट तक हुई बातचीत में मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के खिलाफ शुरू किए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी और यह स्पष्ट किया कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को उसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मोदी और ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत पर एक बयान में कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के सिलसिले में व्यापार से जुड़े किसी विषय पर चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की और भविष्य में भी ऐसी कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा।'' उन्होंने बताया कि ट्रंप ने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने यहां आए प्रधानमंत्री मोदी को कनाडा से लौटते वक्त अमेरिका आने का न्यौता दिया। बहरहाल, मोदी ने कहा कि वह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण इस न्यौते को स्वीकार नहीं कर सकते। मोदी ने ट्रंप को इस साल प्रस्तावित क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का न्यौता दिया।

महान हैदर के नाम पर युद्ध तो अब शुरू हुआ है...ट्रंप की धमकी के बाद खामेनेई का खतरनाक पोस्ट

इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने एक बार फिर अपने बयानों से साफ कर दिया कि वो अमेरिका की धमकी और इजरायल के हमलों के आगे झुकने नहीं वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि युद्ध शुरू हो गया है। खामेनेई की यह पोस्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकियों के कुछ घंटों बाद आई, जिन्होंने ईरान के बिना शर्त आत्मसमर्पण का आह्वान किया और कहा कि अमेरिका जानता है कि ईरान के सर्वोच्च नेता इजराइल–ईरान संघर्ष के दौरान कहाँ छिपे हैं, लेकिन अभी के लिएश उन्हें मारना नहीं चाहते हैं। ईरान इंटरनेशनल द्वारा किए गए अनुवाद के अनुसार, पोस्ट में लिखा है, महान हैदर के नाम पर, लड़ाई शुरू हो गई है। हैदर अक्सर अली के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला नाम है, जिन्हें शिया मुसलमान पैगंबर मोहम्मद का पहला इमाम और उत्तराधिकारी मानते हैं। टाइम्स ऑफ़ इज़राइल ने बताया कि मूल रूप से फ़ारसी में साझा की गई यह पोस्ट, विशेष रूप से चल रहे ईरान–इज़राइल संघर्ष के संदर्भ में मज़बूत धार्मिक और राजनीतिक निहितार्थ रखती है। पोस्ट में एक व्यक्ति की छवि शामिल है जो तलवार पकड़े हुए एक महल जैसे द्वार में प्रवेश कर रहा है, जो आग की लपटों से जगमगाते आकाश के नीचे है। खामेनेई ने लिखा है कि हमें आतंकवादी ज़ायोनी शासन को कड़ी प्रतिक्रिया देनी चाहिए। हम जायोनीवादियों पर कोई दया नहीं दिखाएंगे। ईरान और इजराइल जंग के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा– श्हमें पता है कि ईरान के श्सुप्रीम लीडरश (खामेनेई) कहां छिपे हैं? वे आसान टारगेट हैं, लेकिन अभी वहां सुरक्षित हैं, क्योंकि अभी हम उन्हें मारने नहीं जा रहे। अमेरिका नहीं चाहता कि उसके नागरिकों या सैनिकों अयातुल्ला खामेनेई पर मिसाइलें दागी जाएं। अमेरिका की सहनशीलता अब खत्म हो रही है।श ट्रम्प का यह बयान ईरान को चेतावनी माना जा रहा है कि हालात नहीं सुधरे तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई कर सकता है। एक अन्य पोस्ट में ट्रम्प ने अपनी मांग साफ कर दी अनकंडीशनल सरेंडर यानी बिना शर्त आत्मसमर्पण। उन्होंने 40 से ज्यादा फाइटर जेट्स यूरोप भेजे हैं, जिससे संभावित हमले की अटकलें तेज हो गई हैं। वहीं, जर्मनी की विपक्षी पार्टी सीडीयू के प्रमुख फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि इजराइल ईरान में हमारे लिए श्गंदा कामश कर रहा है। ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं सिर्फ इजराइल नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं। इसलिए इजराइल की कार्रवाई को समर्थन मिलना चाहिए।

ट्रंप ने ईरान को ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने को कहा, तेहरान पर इजराइली हमले तेज

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को ''बिना शर्त आत्मसमर्पण' करने के लिए कहने के एक दिन बाद बुधवार सुबह इजराइल ने ईरान की राजधानी पर हवाई हमले तेज कर दिए। इजराइल ने तेहरान के एक अन्य क्षेत्र पर हमले की चेतावनी जारी की थी, जिसके बाद ये हमले किये गये। क्षेत्र में अनिश्चितता का माहौल है और इजराइल द्वारा ईरान के सैन्य एवं परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर किये जा रहे हवाई हमलों के छठे दिन तेहरान में रह रहे ज्यातार लोग अपने घरों को छोड़कर चले गए हैं। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में युद्धक विमान भेजे और इस बीच, ट्रंप ने अयातुल्ला अली खामेनेई को चेतावनी दी कि वह जानते है कि ईरान के सर्वोच्च नेता कहां छिपे हैं। ट्रंप ने एक 'पोस्ट' में ईरान से ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने का आह्वान किया। ट्रंप ने कहा कि खामेनेई को मारने की उनकी ''कम से कम फिलहाल कोई योजना'' नहीं है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने मंगलवार को कहा कि उसका मानना घ्है कि ईरान के नतांज संवर्धन स्थल पर इजराइल के हवाई हमलों का वहां के भूमिगत सेंट्रीफ्यूज हॉल पर "प्रत्यक्ष प्रभाव" पड़ा है। यूरेनियम संवर्धन के लिए उपयोग किए जाने वाले सेंट्रीफ्यूज को रखने के वास्ते बनाए गए भूमिगत स्थल को 'सेंट्रीफ्यूज हॉल' कहा जाता है। इजराइल का कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए उसका व्यापक हमला जरूरी है। ईरान ने इजराइल पर लगभग 400 मिसाइल और सैकड़ों ड्रोन दागकर जवाबी कार्रवाई की है। अब तक इजराइल में 24 लोगों की मौत हुई है।

जेम्स बॉन्ड की कल्पना 115 साल बाद हकीकत में बदली, एमआई 6 को सच में मिल गई 'एम'

जासूसी की दुनिया रोमांच से भरी होती है। फिल्मी कहानियां हों या किताबी किस्से जासूसी का रोमांच सबको अपनी ओर खींचता है। सोचिये फिल्मी पर्दे और किताब के पन्नों पर उभरी जासूसों की कहानियां अगर रोंगटे खड़े कर देते है तो हकीकत में जासूसी का काम कितना खतरनाक होता है और महिलाओं के लिए जान पर खेलकर जासूसी करने के किस्से भले ही आपको कम मिलें, लेकिन महिलाओं की जासूसी के असल किस्से जो मिलते हैं वो आपके होश उड़ाने के लिए काफी हैं। जासूसी की दुनिया के बारे में दिलचस्पी रखते हैं तो बॉन्ड जेम्स बॉन्ड से तो बखूबी परिचित होंगे। जेम्स बॉन्ड फ्रेंचाइजी की फिल्मों में खुफिया एजेंसी की प्रमुख महिला जिसे 'ड' कहा जाता है। जेम्स बॉन्ड को भले ही 1995 में अपनी पहली महिला चीफ मिल गई हो, लेकिन असल जिंदगी को फिल्म के बराबर पहुंचने में 115 साल लग गए। इतिहास में कभी कोई महिला डप6 की चीफ नहीं रही। ये काम अब जाकर हुआ है।

कौन हैं मेट्रेवली

47 वर्षीय ब्लेज मेट्रेवली ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी (एमआई) का नेतृत्व करने वाली पहली महिला होंगी। ब्रिटेन की इस सीक्रेट इंटेलिजेंस सर्विस के 115 साल के इतिहास में पहली बार कोई महिला इस एजेंसी का नेतृत्व करेगी। मेट्रेवली सर रिचर्ड मूर से अक्टूबर में कार्यभार लेंगी, जो अभी एमआई प्रमुख हैं। ब्लेज मेट्रेवली घरेलू खुफिया एजेंसी एमआई में ही अन्य पदों पर भूमिकाएं और घरेलू सीक्रेट एजेंसी एमआईड में निदेशक स्तर की भूमिकाएं निभाई हैं। निजी तौर पर मेट्रवली ने एमआई में शामिल होकर मिडिल ईस्ट और यूरोप में कई सफल ऑपरेशंस किए। अब वे एमआई में पहली महिला श्सीश के रूप में काम करेंगी।

एमआई दुनिया की पुरानी खुफिया एजेंसियों में से एक

यूके में तीन सीक्रेट एजेंसियां हैं। एमआई दुनिया की पुरानी खुफिया एजेंसियों में शामिल है। इसका गठन 1909 में हुआ था। 1920 में इसे एमआई नाम दिया गया। यह यूके की विदेशी सीक्रेट सर्विस है, जो फाइव आइज की सुरक्षा करती है। फाइव आइज खुफिया गठबंधन है। इसमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूके और अमेरिका शामिल हैं। एमआई का काम विदेशी नागरिकों पर मानव खुफिया जानकारी का गुप्त विदेशी संग्रह और एनालिसिस करना है।

क्या होगी भूमिका

अभी वे 'क्यू' सेक्शन की डीजी हैं, जिसमें टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर काम होता है। उनकी भूमिका प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री के बीच एक समन्वयक की होगी। दरअसल, एमआई के प्रमुख पद को 'सी' कैटेगरी कहा जाता है, जो सीधे विदेश मंत्री को रिपोर्ट करता है।

पहले किया था हाईजैक, अब कर दिया जाफर एक्सप्रेस पर अटैक, बीएलए के हमलों से दहशत में पाकिस्तान

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक बार फिर जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया गया है। जैकोबाबाद में रेलवे ट्रैक पर एक शक्तिशाली बम विस्फोट के बाद एक यात्री ट्रेन के चार डिब्बे पटरी से उतर गए। जाफर एक्सप्रेस पंजाब से क्वेटा जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ, लेकिन घटनास्थल से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना के तुरंत बाद, स्थानीय पुलिस, रेलवे पुलिस और रेलवे रखरखाव विभाग के वरिष्ठ अधिकारी घटना की जांच करने और पुनर्वास कार्य शुरू करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे।

मार्च में पाकिस्तान को जाफर एक्सप्रेस पैसेंजर ट्रेन पर बीएलए द्वारा एक जघन्य आतंकवादी हमले का सामना करना पड़ा था, जिसमें बलूचिस्तान में बंधकों को लेना भी शामिल था, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 30 निर्दोष पाकिस्तानी नागरिक मारे गए थे। मार्च में बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस पैसेंजर ट्रेन पर बंधक बनाने की घटना, जो लगभग 36 घंटे तक चली, उसके बाद सुरक्षा बलों ने एक अभियान शुरू किया जिसमें आतंकवादी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के 30 से अधिक आतंकवादी मारे गए। 13 जून को पेशावर से आ रही क्वेटा जाने वाली जाफर एक्सप्रेस तक्षशिला में मरगला सुरंग के पास पटरी से उतर गई, जिससे रावलपिंडी–पेशावर खंड पर रेल यातायात बाधित हो गया। दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, क्वेटा जाने वाली 40 डाउन वाली जाफर एक्सप्रेस तकनीकी कारणों से पटरी से उतर गई, जिससे रेल यातायात बाधित हो गया और अप तथा डाउन दोनों मुख्य लाइनों पर ट्रेनें रुक गईं।

ईरान ने चलाया ब्रह्मास्त्र, अब हर जगह होगी मारामारी?

ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी जंग अब केवल दो मुल्कों की लड़ाई नहीं रही। अब ये वैश्विक चिंता बन चुकी है और भारत भी इसकी जद में है। अगर ये युद्ध लंबा चला तो भारत में तेल और गैस की सप्लाई में बड़ा असर पड़ सकता है और इसकी सबसे बीड़ वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वो तेल की धड़कन है, जिससे दुनिया को हर दिन करीब 2 करोड़ बैरल कच्चा तेल मिलता है। भारत, सऊदी अरब, इराक, कुवैत तेल यहीं से लाता है। अब ईरान धमकी दे रहा है कि हालात अगर और बिगड़े तो वो इस रास्ते को बंद कर देगा। ईरानी समाचार एजेंसी प्प्छछ ने प्रमुख रूढ़िवादी सांसद इस्माइल कोसरी के हवाले से बताया कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने पर विचार कर रहा है, क्योंकि इजरायल के साथ संघर्ष तेज हो रहा है। इस कदम से तेल की कीमतें बढ़ेंगी और युद्ध के विस्तार का जोखिम होगा।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज क्या है

होर्मुज फारस की खाड़ी में प्रवेश करने का एकमात्र समुद्री मार्ग है। यह एक तरफ ईरान को और दूसरी तरफ ओमान और संयुक्त अरब अमीरात को विभाजित करता है, और यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और हिंद महासागर में अरब सागर से जोड़ता है।

संक्षिप्त

मौत का डराने वाला आंकड़ा! तेल अवीव पर 400 मिसाइलें दागी गई

इजराइल और ईरान के बीच सैन्य संघर्ष बुधवार को और भी तेज हो गया, यह शत्रुता का लगातार छठा दिन था। दोनों पक्ष एक–दूसरे पर नए मिसाइल हमले जारी रखे हुए थे। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इजराइल पर फत्ताह–1 हाइपरसोनिक मिसाइल दागने का दावा भी किया है, जो चल रहे संघर्ष में इस मिसाइल का पहला इस्तेमाल है। ईरान की ओर से सुबह–सुबह मिसाइल हमलों के बाद तेल अवीव में

विस्फोटों की सूचना मिली, जबकि तेहरान के पास इजराइली हवाई हमले जारी रहे, जिसमें संदिग्ध सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। इस बीच, अमेरिकी मीडिया ने बताया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरानी परमाणु सुविधाओं पर चल रहे इजरायल के हमलों में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। संघर्ष में अमेरिका के इजरायल के साथ शामिल होने की अटकलों को ट्रम्प के जी 7 शिखर सम्मेलन से अचानक चले जाने और सोशल मीडिया पर कई भयावह चेतावनियों से बल मिला है। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ते तनाव के बीच ट्रम्प ने मंगलवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की। इसी समय, अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की कि मध्य पूर्व में और अधिक अमेरिकी लड़ाकू विमानों को तैनात किया जा रहा है। इससे पहले आज ईरान ने इजराइल पर मिसाइल हमलों की दो लहरें चलाईं, जिससे तेल अवीव में विस्फोट हो गए। जवाब में, इजराइली वायु सेना ने ईरानी राजधानी के पास हवाई हमले किए। तेहरान के डिस्ट्रिक्ट 18 के निवासियों को हमलों से पहले कथित तौर पर खाली करने का आदेश दिया गया था। ईरानी मीडिया ने तेहरान और करज दोनों में विस्फोटों की पुष्टि की है।

बम विस्फोट से पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस के छह डिब्बे पटरी से उतरे

पाकिस्तान में रेलवे पटरी के पास लगाए गए एक बम की चपेट में आने से जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के छह डिब्बे बुधवार को पटरी से उतर गए। यह दुर्घटना सिंध प्रांत के जैकोबाबाद जिले में हुई जो बलूचिस्तान प्रांत की सीमा पर स्थित है। प्राधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जैकोबाबाद में मवेशी बाजार के पास रेलवे पटरी के पास विस्फोट हुआ जिससे जाफर एक्सप्रेस के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। विस्फोट के बाद पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी ने इलाके की घेराबंदी कर दी। प्राधिकारी यह पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं कि यह विस्फोट किस कारण हुआ। विस्फोट के बाद मार्ग पर ट्रेन परिचालन अस्थायी रूप से बाधित हो गया। अभी तक किसी भी समूह ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। हाल के महीनों में यह दूसरी बार है जब जाफर एक्सप्रेस को निशाना बनाया गया है। इससे पहले मार्च में बलूचिस्तान के बोलन इलाके में क्वेटा से पेशावर जाते समय इस पर हमला हुआ था। उस समय 'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी' (बीएलए) ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। उसने ट्रेन पर कब्जा कर लिया था जिसके बाद सेना ने बचाव अभियान चलाया था।

एफटीए, व्यापार, निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा के लिए गोयल पहुंचे लंदन

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ब्रिटेन और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने तथा दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाने के लिए दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर लंदन में हैं। बुधवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इस यात्रा के दौरान गोयल ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, '' दोनों नेता एफटीए पर हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा इसे अंतिम रूप देने और कार्यान्वयन के लिए एक स्पष्ट, समयबद्ध खाका तैयार करेंगे।'' भारत और ब्रिटेन ने छह मई को एफटीए पर सहमति बनने की घोषणा की थी। इस समझौते का उद्देश्य श्रम–प्रधान भारतीय निर्यात जैसे चमड़ा, जूते और कपड़े पर शुल्क समाप्त करना जबकि व्हिस्की तथा कारों जैसे ब्रिटेन के उत्पादों के आयात को आसान बनाना है। इसका लक्ष्य 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को दोगुना करके 120 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना भी है। समझौते पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर होना और इसका क्रियान्वयन होना बाकी है। गोयल, ब्रिटेन की राजकोष चांसलर रेचल रीव्स से भी मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक प्राथमिकताओं, वित्तीय सहयोग एवं निवेश सुविधा पर चर्चा करेंगे। रचनात्मक उद्योगों तथा नवाचार–संचालित क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए उनकी संस्कृति, मीडिया एवं खेल मंत्री लिसा नैंडी से भी मिलने की योजना है। बयान में कहा गया है, ''ये बैठकें वैश्विक व्यापार जगत के नेताओं, निवेशकों एवं नीति विशेषज्ञों को एक साथ लाएंगी, ताकि भारत–ब्रिटेन आर्थिक गलियारे की रणनीतिक रूपरेखा तथा प्रस्तावित एफटीए के परिवर्तनकारी प्रभाव पर विचार–विमर्श किया जा सके।''

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।